RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 29 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

बुधवार 16 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रातः 05:34 बजे
सूर्यास्त सांय 19:22 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 छांगुर बाबा के साम्राज्य का अंत लेकिन कितने बाकी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 271 | गाजियाबाद, बुधवार 16 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

राहुल गांधी को लखनऊ कोर्ट से मिल गई जमानत

भारतीय सेना से जुड़ा है यह मामला, दो जमानतदार लगे

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को लखनऊ में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट से जमानत मिल गई है। 20-20 हजार के दो जमानतदारों के जरिए राहुल गांधी को जमानत मिली है। बता दें यह पेशी भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि मामले में हुई। राहुल गांधी पिछली पांच सुनवाइयों में कोर्ट में हाजिर नहीं हुए थे, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें समन जारी किया था। इस बार कोर्ट ने उनकी उपस्थिति अनिवार्य की है, जिससे पहले से ही कोर्ट परिसर में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए। राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली से फ्लाइट के जरिए करीब 12.30 बजे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अमौसी एयरपोर्ट पहुंचे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से सीधे वह सिविल कोर्ट स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट के लिए रवाना हुए। कोर्ट की कार्रवाई पूरी होने के बाद वह लखनऊ निवासी एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला के घर भी जा सकते हैं। शुभांशु हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष मिशन के लिए चुने गए हैं और राहुल गांधी उन्हें बधाई देने की योजना में हैं। बता दें कि यह पूरा मामला 2022 में राहुल गांधी के एक बयान से जुड़ा है। 16 दिसंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल ने कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सेना के जवानों को पीट रहे हैं।

पंजाब विस में अटक गया धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी का बिल

नहीं हो पाया पास

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा के स्पेशल सेशन का मंगलवार को चौथा व आखिरी दिन था। इसमें सीएम भगवंत मान की ओर से सोमवार को पेश किए धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी को लेकर बिल पर बहस हुई। हालांकि, बहस के बाद इसे पास नहीं किया गया, बल्कि सीएम मान के प्रस्ताव पर इसे सिलेक्ट कमेटी को भेज दिया गया। अब सिलेक्ट कमेटी इस बिल पर काम करते हुए सभी धार्मिक संस्थाओं और लोगों से राय लेगी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

मुंबई में समुद्र के नीचे 21 किमी टनल तैयार

● रूट पर जापान की नेक्स्ट जनरेशन ई10 ट्रेन चलेगी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की शुरुआती 21 किमी टनल बनकर तैयार हो गई है। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह टनल घनसोली के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के ठाणे के बीच बनी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी फोटो भी शेयर की हैं। इसके अलावा प्रोजेक्ट के तहत 310 किलोमीटर का वायाडक्ट (ऊंचा पुल) भी बन गया है। पटरियां बिछाने, ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर, स्टेशन और पुलों का निर्माण तेजी से चल रहा है। महाराष्ट्र में काम तेजी से पूरा हो रहा है। ट्रेन संचालन और कंट्रोल सिस्टम के लिए उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। मुंबई-अहमदाबाद रूट पर जापान की नेक्स्ट जनरेशन ई 10 शिंकानसेन बुलेट ट्रेन चलेगी। जापान फिलहाल ई10 मॉडल पर काम कर रहा है। यह बुलेट ट्रेन मौजूदा ई3 और ई5 की तुलना में काफी तेज और मॉडर्न होगा। ई10 को दोनों देशों यानी भारत और जापान में एक साथ ट्रैक पर उतारने पर सहमति बनी है। टनल बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसमें 16 किमी सुरंग टनल बोरिंग मशीनों से और बाकी 5 किमी सुरंग न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड से बनाई जा रही है। 2017 में रखी गई थी प्रोजेक्ट की नींव देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था।

मुख्यमंत्री नीतिश के लिए 'सॉफ्ट' हुए तेजस्वी यादव

● अचानक बदले लालू के छोटे लाल, 'खेला' का है प्लान

पटना (एजेंसी)। बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर लगातार हमलावर हैं। पटना में व्यापारी विक्रम झा की हत्या के बाद तेजस्वी और भी अधिक आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, इंडिया ब्लॉक की एक मीटिंग में तेजस्वी ने महागठबंधन के नेताओं से नीतिश कुमार पर अधिक तीखे हमले न करने की बात कही है। वे चाहते हैं कि बीजेपी नेताओं को मुख्य रूप से निशाना बनाया जाए। ऐसा माना जा रहा है कि तेजस्वी को शायद फिर से महागठबंधन में नीतिश कुमार के लौटने की उम्मीद है। दरअसल, पटना में हाल ही में एक व्यापारी विक्रम झा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद तेजस्वी यादव ने नीतिश कुमार को 'अचेत मुख्यमंत्री' बताया।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा टली

दोनों देशों के धर्मगुरुओं ने की बातचीत, हत्या के मामले में मारी जानी थी गोली

सना (एजेंसी)। यमन में मौत की सजा पाने वाली केरल की नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा फिलहाल टाल दी गई है। उसे 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जानी थी। न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टिविस्ट ग्रुप और प्रभावशाली धार्मिक नेताओं ने इस मामले में दखल दिया, जिसके बाद निमिषा प्रिया की मौत की सजा स्थगित कर दी गई है। इससे पहले निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर भी कई कोशिशें की गई थीं। खबर यह भी है कि पीड़ित का परिवार अभी तक क्षमादान या ब्लड मनी स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यमन से चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज बातचीत कर रहे हैं। बातचीत में यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक के भाई भी शामिल हैं। शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कंथापुरम के ग्रैंड मुफ्ती एपी अबूबकर मुसलियार और यमन से चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज इस मसले पर बातचीत कर रहे हैं।

भारत में पांच साल में 65 फ्लाइट्स के इंजन हुए बंद

● आरटीआई में बड़ा खुलासा-17 महीने में 11 मेडे कॉल ● हवा में और टेकऑफ के दौरान शटडाउन, बड़ी है रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पिछले पांच साल में 65 फ्लाइट्स में उड़ान के दौरान हवा में या टेकऑफ करते समय इंजन बंद (शटडाउन) हुए। इससे पता चलता है कि हर महीने कम से कम एक विमान का इंजन बंद हुआ। हालांकि, सभी मामलों में पायलट एक ही इंजन से विमान को नजदीकी एयरपोर्ट तक पहुंचाने में सफल रहे। ये जानकारी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन से सूचना के अधिकार के तहत मिली है। दरअसल, अहमदाबाद हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट से पता चला था कि विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हादसा हुआ था। यह भी पता चला कि 17 महीनों में 11 फ्लाइट्स से मेडे कॉल आई।

नए बीजेपी अध्यक्ष की चर्चा ने बढ़ाया सस्पेंस

● मोदी कैबिनेट में फेरबदल की भी है तैयारी, पार्टी ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नए अध्यक्ष को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। इसी बीच सरकार राज्यपालों में भी बदलाव कर रही है और राज्यसभा के लिए नेता चुने जा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले कैबिनेट में संभावित फेरबदल के संकेत हो सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर भाजपा या एनडीए सरकार के किसी दल की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि इन बदलावों के जरिए कैबिनेट फेरबदल के लिए जमीन तैयार की जा रही है। हाल ही में हरियाणा, गोवा के लिए राज्यपाल और लद्दाख के लिए उपराज्यपालों की नियुक्ति की है। इससे एक दिन पहले ही एडवोकेट उज्ज्वल निकम, मीनाक्षी जैन, हर्षवर्धन श्रृंगला और सी सदानंद मास्टर को राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया गया है। अखबार से बातचीत में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, बड़े मंत्रालय वाले अधिकांश मंत्रियों को पिछली मोदी सरकार से रिपीट किया गया है...। अब तक इस बात पर जोर दिया जाता था कि निरंतरता बनी रही, लेकिन अब कैबिनेट को विदेश मामलों जैसी नई प्राथमिकताओं के साथ-साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ के चलते वाणिज्य मंत्रालय फिर संतुलित किया जा सकता है। रिपोर्ट में भाजपा सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कैबिनेट में राज्यसभा सांसद बदले जा सकते हैं, जिनका कार्यकाल अंतिम दौर में है और उन्हें संगठन में जगह दी जा सकती है। वहीं, अन्य का कहना है कि भाजपा जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी और तेलुगु देशम पार्टी से नेताओं को देख सकती है। खास बात है कि बिहार में विधानसभा चुनाव हैं और लोजपा और जदयू बिहार आधारित पार्टियां हैं।

अमेरिका ने भारत को सौंपा दूसरा जीई-404 इंजन

● इन्हें लड़ाकू विमान तेजस एलसीए मार्क-1ए में लगाया जाएगा ● दिसंबर तक 12 इंजन भारत पहुंचेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रक्षा क्षेत्र में अपने कदम लगातार मजबूत कर रहा है। अमेरिका से एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट प्रोग्राम के लिए दूसरा जीई-404 इंजन नई दिल्ली पहुंच गया है। डिफेंस अफसरों के मुताबिक, यह इंजन पब्लिक सेक्टर कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को मिला। इस फाइनेंशियल ईयर के अंत तक एचएएल को 12 और जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। ये इंजन एलसीए मार्क 1 ए फाइटर जेट्स में लगाए जाएंगे। हालांकि, अमेरिकी इंजन मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को सप्लाई चेन मसलों की वजह से इन इंजनों की डिलीवरी में एक साल से ज्यादा की देरी हो चुकी है। इस साल की शुरुआत में जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को एलसीए मार्क 1ए के लिए 99 जीई 404-एमजीआई 20 इंजनों में से पहला इंजन डिलीवर किया था। अब इन इंजनों को मार्क 1ए फाइटर जेट्स में इंटीग्रेट करने और इंडियन एयर फोर्स को 10 से ज्यादा ऐसे प्लेन सप्लाई करने की प्लानिंग कर रहा है। आईएएफ ने 83 एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स के ऑर्डर दिए हैं। 97 और प्लेन खरीदने का प्रस्ताव डिफेंस मिनिस्ट्री से क्लियरेंस मिलने के बाद अब एडवांस्ड स्टेज में है। हाल ही में प्रिंसिपल सेक्रेटरी पीके मिश्रा ने बेंगलुरु में एचएएल की फैसिलिटीज का दौरा किया।

भाकियू आजाद के जिला सचिव नियुक्त हुए : डॉ रईस अहमद

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷। भारतीय किसान यूनियन आजाद के जिला सचिव युवा बने डॉक्टर रईस अहमद अंसारी मंसूर सराय स्योहारा जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश भारतीय किसान यूनियन आजाद ने किसान हितों की लड़ाई को और मजबूत करने के लिए युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया है। डॉक्टर रईस अहमद अंसारी पुत्र इमामुद्दीन अंसारी निवासी ग्राम पित्थापुर मंसूर सराय स्योहारा बिजनौर को संगठन में बिजनौर जिला सचिव युवा के पद पर मनोनीत किया गया है यह नियुक्ति भारतीय किसान यूनियन आजाद के राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा को जारी नियुक्ति प्रमाण पत्र के माध्यम से की गई है। इस अवसर पर संगठन ने डॉक्टर रईस अहमद अंसारी से आशा व्यक्त की है कि वह अपने क्षेत्र के किसान भाइयों की समस्याओं के लिए निरंतर संघर्ष रहेंगे।उनके समाधान हेतु क्रियाशील रहते हुए भारतीय किसान यूनियन आजाद के लोकप्रियता बनाए रखेंगे। संगठन ने डॉक्टर रईस अहमद अंसारी को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया है कि उनकी सक्रियता से बिजनौर क्षेत्र में किसानों की आवाज और बुलंद होगी।

स्योहारा निवासी अरशद मलिक को मिला 'राष्ट्रीय सामाजिक न्याय सुरक्षा संगठन' में जिला अध्यक्ष का पद

✷ **एनसीआर टुडे. स्योहारा** ✷। समाज सेवा एवं मानवाधिकारों के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अरशद मलिक को राष्ट्रीय सामाजिक न्याय सुरक्षा संगठन द्वारा बिजनौर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन ने उनके सामाजिक योगदान एवं न्याय की लड़ाई में निरंतर सक्रियता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के दौरान आयोजित बैठक में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष फरहान अख्तर, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव इश्तकार मलिक, विधानसभा अध्यक्ष जावेद अहमद, उपाध्यक्ष बिलाल अहमद, नगर अध्यक्ष शहजाद मलिक, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल्ला चौधरी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। संगठन ने विश्वास जताया कि अरशद मलिक जनशक्ति को लामबंद कर समाज में फैले अन्याय एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रभावी भूमिका निभाएंगे और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग करेंगे। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि किसी श्तर पर कार्य असंतोषजनक पाया गया तो नियमानुसार पद से मुक्त किया जा सकता है। इस नियुक्ति पर स्योहारा क्षेत्र में खुशी का माहौल है और समाजसेवी वर्ग द्वारा उन्हें बधाई दी जा रही है।

गले से चेन उड़ाने वाली महिला को अध्यापिका ने दबोचा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। ऑटो में बगल में बैठी महिला ने स्कूल से लौट रही अध्यापिका के गले से सोने की चेन चोरी कर ली। चेन गायब देख अध्यापिका ने अपनी सहकर्मी की मदद से तलाशी ली तो महिला से चेन बरामद हो गई। इसके बाद अध्यापिका आरोपी महिला को लेकर विजयनगर थाने पहुंची। पुलिस ने केस दर्ज कर महिला को जेल भेज दिया। सिद्धार्थ विहार की अपेक्स द क्रेमलिन सोसाइटी में रहने वाली पूजा गौतम का कहना है कि वह इंदिरापुरम स्थित जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल में अध्यापिका हैं। 14 जुलाई की दोपहर को स्कूल की छुट्टी के बाद अपनी सहकर्मी के साथ ऑटो से घर लौट रही थीं। जब ऑटो सिद्धार्थ विहार मोड़ पर पहुंचा तो पास में बैठी अनजान महिला ने उनके गले से सोने की चेन चोरी कर ली। हाथ गले पर पड़ा तो उन्हें चेन गायब होने का पता चला। हड़बड़ाहट में उन्होंने ऑटो रूकवाया और सहकर्मी के साथ बगल में बैठी महिला की तलाशी ली। महिला चेन के बारे में कुछ पता न होने की बात कहते हुए रौब झाड़ने लगी। पूजा गौतम का कहना है कि लोगों के कहने पर महिला की तलाशी ली तो उसके कपड़ों के अंदर से चेन बरामद हो गई। चेन मिलते ही महिला हाथापाई करते हुए भागने की कोशिश करने लगी, लेकिन लोगों की मदद से उन्होंने उसे पकड़ लिया और डायल-112 पर फोन कर दिया। पीआरवी के पहुंचने पर वह महिला को साथ लेकर विजयनगर थाने पहुंचीं और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। सीओ कोतवाली रितेश त्रिपाठी का कहना है कि महिला की पहचान खुर्जा के सिटी मोहल्ला रेलवे स्टेशन के पास झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली शिवानी के रूप में हुई।

आशा भर्ती भर्ती में गड़बड़ी का आरोप लगाया

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। वार्ड नौ की पार्षद शीतल देओल ने आंगनबाड़ी, आशा भर्ती और वितरण प्रणाली में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने जिलाधिकारी से शिकायत की है। पार्षद ने आरोप लगाया है कि पटेल नगर-2, शिब्बनपुरा क्षेत्र के तहत आशा की नियुक्ति में भ्रष्टाचार हुआ है।

सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन

जालंधर, एजेंसी।
विश्व के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में निधन हो गया। जालंधर में अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां उनकी मौत हो गई। पंजाब के जालंधर में ब्यास गांव में 1 अप्रैल, 1911 को जन्मे फौजा सिंह एक किसान परिवार में चार बच्चों में सबसे छोटे थे।

उनके पैरों में कुछ दिक्कत थी, जिस वजह से वह पांच साल की उम्र तक चलने में असमर्थ थे। लेकिन जब दौड़े तो उम्र को पीछे छोड़कर दौड़े। दुनिया उनके हौसले को सलाम करती है। उन्हें टर्बेंड टॉर्नेडो (पगड़ीधारी बवंडर), रनिंग बाबा और सिख सुपरमैन कहा जाता है। मशहूर दिवंगत लेखक खुशवंत सिंह ने उन पर किताब टर्बन टोर्नेडो लिखी थी।

फौजा सिंह का बचपन आसान नहीं था। उनके परिवार ने सोचा कि वह अपंग हैं क्योंकि वह पांच साल की उम्र तक चलने में सक्षम नहीं थे। पतले और कमजोर पैरों के कारण वह मुश्किल से लंबी दूरी तक चल पाते थे। उन्होंने अपने परिवार के लिए खेती शुरू की। उनकी शादी ज्ञान कौर के साथ हुई और उनके तीन बेटे और तीन बेटियां हुई। साल 1992 में वह इंग्लैंड चले गए।

फौजा सिंह ने धर्मार्थ कार्यों के लिए 1999 में 89 साल की अवस्था में मैराथन में हिस्सा लेने का फैसला लिया था। उन्होंने लंदन, टोरंटो और न्यूयॉर्क में 26 मील की फुल मैराथन नौ बार पूरी की है। उन्होंने सबसे बेहतरीन समय टोरंटो में निकाला था। यहां उन्होंने पांच घंटे 40 मिनट में अपनी रेस खत्म की थी। 101 साल की उम्र में

दुनिया के सबसे उम्रदराज धावक फौजा सिंह ने अंतरराष्ट्रीय मैराथन प्रतिस्पर्धा से संन्यास की घोषणा कर दी।

हांगकांग में हुई मैराथन उनकी जिंदगी की आखिरी रेस रही। फौजा यहां कोई मेडल नहीं जीत पाए, लेकिन हमेशा की तरह उन्होंने दौड़ पूरी की। उन्होंने 10 किलोमीटर की अपनी आखिरी रेस एक घंटे 32 मिनट और 28 सेकेंड में पूरी की। हालांकि वह इस दौरान अपने व्यक्तिगत रिकार्ड को भी नहीं छू पाए। 16 अक्टूबर, 2011 को वह टोरंटो मैराथन को 8 घंटे, 11 मिनट और 6 सेकंड में पूरा करके दुनिया के पहले 100 वर्षीय धावक बने। हालांकि जन्म प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण उनका यह रिकॉर्ड गिनीज बुक में नहीं दर्ज हो सका।

जुलाई 2012 में हुए ओलिंपिक में फौजा सिंह ने ओलिम्पिक मशाल लेकर दौड़ लगाई। साल 2015 में उन्हें ब्रिटिश एम्पायर मैडल से नवाजा गया। अपनी फिटनेस के बारे में फौजा सिंह कहते थे कि मैं हमेशा हर हाल में खुश रहता हूं और रोज पंजाबी पिन्नी खाता हूं। पिन्नी खाने के बाद एक गिलास गुनगुना पानी। रात में सोने से पहले एक गिलास दूध और हर मौसम में खाने में दही मैं जरुर लेता हूं। यही मेरी तंदुरुस्ती का सबसे बड़ा राज है।

राज ठाकरे के खिलाफ डीजीपी से शिकायत, हाईकोर्ट के तीन वकीलों ने की एनएसए लगाने की मांग

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) के चीफ राज ठाकरे ने मराठी भाषा विवाद के बीच अपने समर्थकों से कहा था कि गैर मराठियों को पीटते वक्त वीडियो ना बनाएं। अब इस विवादित बयान पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। बॉम्बे हाई कोर्ट के तीन वरिष्ठ वकीलों ने महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को चिट्ठी लिखकर एमएनएस चीफ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वकीलों ने ये भी मांग की है कि उनके भड़काऊ भाषणों और विवादित बयानों की उच्चस्तरीय जांच हो और उन पर एनएसए लगाया जाए।

डीजीपी को लिखी चिट्ठी में वकीलों ने कहा है कि मराठी राज्य की भाषा है। इसलिए सभी भारतीयों का यह कर्तव्य बनता है कि उस भाषा का सम्मान करें लेकिन बीते कुछ दिनों में स्ड्ढह्य के कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों के साथ मारपीट और अपमानजनक व्यवहार किए हैं, जो राज्य में असंवैधानिक स्थिति पैदा करती हैं। इसलिए ऐसे कृत्य के लिए राज ठाकरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाना

चाहिए। शिकायत में कहा गया है कि 5 जुलाई को मुंबई के वर्ली में आयोजित कार्यक्रम में राज ठाकरे ने रहा था कि जो भी हमसे गलत भाषा में बात करेगा, उसे एक मिनट में चुप करा देंगे। इसके साथ ही ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा था कि जब आप लोग दूसरे राज्यों के लोगों के पीटते हैं, तो पीटते वक्त उनका वीडियो ना बनाएं। वकीलों का कहना है कि राज ठाकरे का यह बयान राज्य में कानून-व्यवस्था के लिए खतरनाक है और यह संविधान के कई अनुच्छेदों का उल्लंघन है। वकीलों ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि मराठी भाषा के नाम पर गैर मराठियों पर हो रहे हमले राज्य में राजनीतिक नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं। आरोप लगाया गया है कि भाषाई आधार पर हिंसा फैलाकर एमएनएस कार्यकर्ता और नेता सांप्रदायिक और क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं। बता दें कि दो दशक के उद्धव ठाककरे और राज ठाकरे ने 5 जुलाई को सार्वजनिक मंच साझा किया था और 'आवाज मराठीचा' नामक विजय सभा का आयोजन किया था, जिसका उद्देश्य राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को शामिल करने संबंधी सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाना था। इसी समारोह में राज ठाकरे ने वीडियो न बनाने वाला बयान दिया था। इससे पहले एक दुकानदार द्वारा मराठी नहीं बोलने पर एमएनएस कार्यकर्ताओं द्वारा उसकी पिटाई का वीडियो वायरल हुआ था।

संजय दत्त हथियारों के बारे में बता देते तो मुंबई में नहीं होते धमाके: उज्ज्वल निकम

मुंबई, एजेंसी।
राज्यसभा जाने की तैयारी कर रहे मशहूर वकील उज्ज्वल निकम ने मुंबई धमाकों को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अभिनेता अगर संजय दत्त हथियारों से लदे वाहन की जानकारी दे देते, तो मुंबई में हुए सीरियल ब्लास्ट टल सकते थे। 1993 में देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई में हुए धमाकों में 267 लोगों की मौत हो गई थी।

एनडीटीवी से बातचीत में निकम ने कहा, मैं सिर्फ एक ही बात कहना चाहता हूं। धमाका 12 मार्च को हुआ। इससे एक दिन पहले वैन उनके (संजय दत्त) के घर पहुंची थी। वह हथियारों हैंड ग्रेनेड, एके 47 से लदी हुई थी। अबू सलेम उसे लेकर आया था। संजय ने कुछ हैंड ग्रेनेड और बंदूकें उठा ली थीं। इसके बाद उन्होंने सबकुछ वापस कर दिया और सिर्फ एक एके 47 रखी।

वकील ने कहा, अगर वह उस समय पुलिस को घर कर देते, तो पुलिस जांच करती और मुंबई

धमाके कभी नहीं होते। निकम ने कहा कि उन्होंने इस बारे में दत्त के वकील को भी बताया था कि एके 47 का नहीं चलना और उसका पास में होना एक बात है, लेकिन उनकी तरफ से पुलिस को नहीं बताए जाने के चलते ब्लास्ट हुए और बहुत सारे लोगों की जान गई।

निकम ने चैनल को बताया कि तब संजय दत्त निर्दोष थे और बंदूकों के प्रति आकर्षण होने के कारण हथियार उठा लिया था। उन्होंने कहा, कानून की नजरों में जुर्म किया है, लेकिन वह सीधे व्यक्ति हैं...। मैं उन्हें निर्दोष मानता हूं।

कोर्ट ने टाडा केस में दत्त को बरी कर दिया था, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी 6 साल की सजा को घटाकर 5 साल कर दिया था। दत्त इस दौरान महाराष्ट्र के पुणे स्थित येरवाड़ा जेल में बंद थे। निकम बताते हैं कि आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए जाने के बाद संजय दत्त को बड़ा झटका लगा था। उन्होंने कहा, मैंने उनकी बॉडी लैंग्वेज बदलते देखी। मैंने महसूस किया कि उन्हें झटका लगा है। वह फैसले को सहन नहीं कर पा रहे थे और घबराए लग रहे थे।

सो नहीं पा रहा; राधिका यादव की हत्या में लव जिहाद की चर्चा पर मां कसम खा क्या बोले इनामुल हक

गुरुग्राम, एजेंसी।
टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के बाद चर्चा में आए ऐक्टर इनामुल हक ने एक बार फिर लव जिहाद की अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। इनामुल हक ने अपने यूट्यूब चैनल पर करीब घंटेभर लाइव आकर सोशल मीडिया यूजर्स के सवालों के जवाब दिए। हक ने बार-बार मां कसम खाकर राधिका संग अपने रिश्तों को लेकर सफाई दी और यह यकीन दिलाने की भरसक कोशिश की कि उनके साथ म्यूजिक वीडियो में बतौर ऐक्ट्रेस काम कर चुकी खिलाड़ी के साथ उनका कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

25 साल की टेनिस खिलाड़ी की हत्या पिछले गुरुवार को उसके पिता दीपक ने गोलियां मारकर कर दी थी। दीपक ने जुर्म कबूल करते हुए कहा कि बेटी की कमाई खाने के तानों से तंग आकर उसने बेटी की जान ले ली। वहीं, हत्या के बाद यह भी अटकलें लगीं कि पिता ने रील और एक म्यूजिक वीडियो में काम करने की वजह से बेटी को मौत के घाट उतारा। यूट्यूब और फेसबुक पर राधिका और इनामुल हक का एक म्यूजिक एल्बम कारवां देखने के बाद कई सोशल यूजर्स ने लव जिहाद का एंगल खोज लिया। सोशल मीडिया पर लव जिहाद की इतना चर्चा बढ़ गई कि इनामुल हक बेचैन हो गए हैं। कई न्यूज चैनलों को इंटरव्यू देने के बाद भी जब सवाल खत्म नहीं हुए तो उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर लाइव आकर पूरी बात रखी।

उन्होंने कई बार मां कसम खाते हुए यह भरोसा दिलाया कि उनका राधिका के साथ कोई रिश्ता नहीं था। इनामुल हक ने कहा कि जिस तरह इस मामले में हिंदू मुस्लिम किया जा रहा है, उसकी वजह से वह ना तो सो पा रहे हैं और ना ही खाना खा पा रहे हैं। इनामुल हक ने कहा कि उनकी राधिका से पहली मुलाकात करीब ढाई साल पहले एक टेनिस टूर्नामेंट (टैनिस प्रीमियर लीग) के दौरान दिल्ली में हुई थी। उन्होंने कहा, वहां हम टेनिस प्रीमियर लीग का शूट करने गए थे। मेरी पूरी टीम थी, मैं क्रिएटिव हेड था। हम सारे प्लेयर का शूट कर रहा था। मैं कहीं और शूट कर रहा था मेरी टीम मेट ने बताया कि एक लड़की का कैमरा लुक अच्छा आ रहा है। बाद में मेरी टीम मीट ने आकर कहा कि उस लड़की ने कहा कि ऐक्टिंग उसका शौक है। मैंने कहा कि कुछ मौका होगा तो बताऊंगा। वापस आने के बाद हमने एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया। हमारी वहां सिर्फ जान-पहचान हुई थी। इनामुल हक ने कहा कि एक साल बाद उनके पास एक काम आया तो राधिका से संपर्क किया था। ऐक्टर ने कहा कि नोएडा में गाने का शूट हुआ था वहां वह अपनी मां के साथ आई थी। राधिका ने उन्हें बताया था कि पिता को भी गाना पसंद आया।

ओडिशा में खुद को आग लगाने वाली छात्रा की मौत, प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से थीं परेशान

भुवनेश्वर, एजेंसी।
ओडिशा में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न से परेशान होकर खुद को आग लगाने वाली छात्रा की मौत हो गई है। इस मामले में कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। खबर है कि राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने राज्य सरकार से उन परिस्थितियों पर रिपोर्ट मांगी है जिनके कारण कॉलेज छात्रा ने आत्मदाह का सहारा लिया।

रिपोर्ट में अस्पताल के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि छात्रा की सोमवार रात मौत हो गई। छात्रा ने प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर खुद को आग के हवाले कर दिया था। खबरें हैं कि इस घटना में वह 90 फीसदी तक झुलस गई थीं और एम्स भुवनेश्वर में उनका इलाज चल रहा था। घटना के एक सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि घटनास्थल पर मौजूद अन्य छात्र छात्रा को बचाने के प्रयास कर रहे हैं। बुरी तरह से झुलसी छात्रा को पहले बालासोर जिला मुख्यालय अस्पताल लाया गया था। बाद में उन्हें शनिवार को ढ्ढढ्ढरूस् रेफर किया गया था। बर्न यूनिट में एक्सपर्ट्स की एक टीम उनके इलाज में जुटी हुई थी। पीटीआई भाषा के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को एम्स भुवनेश्वर की 'बर्न यूनिट' का दौरा किया और 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। वह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

फकीर मोहन (स्वायत्त) कॉलेज के प्रधानाचार्य दिलीप घोष को बी.एड. छात्रा के खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास करने के बाद शनिवार को निलंबित कर दिया गया। छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर द्वारा यौन उत्पीड़न करने के मामले में उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने निलंबन आदेश में कहा कि प्रधानाचार्य मामले को ठीक से संभालने और अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहे। उन पर शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष समीरा कुमार साहू को बचाने का आरोप है, जिन्हें पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

नितिन गडकरी से उखड़े कर्नाटक के मुख्यमंत्री, एक न्योते पर छिड़ गई तगड़ी बहस

बेंगलुरु, एजेंसी।
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कर्नाटक के शिवमोगा में देश के दूसरे सबसे लंबे केबल-आधारित सिगंदूर पुल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने विरोध स्वरूप बहिष्कार किया और दावा किया कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था।

सिद्धरमैया ने बाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र पर प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में दावा किया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राज्य सरकार से परामर्श किए बिना शिवमोगा के सागरा तालुक में कार्यक्रम आयोजित किया था और बिना किसी पूर्व सूचना के निमंत्रण पत्र पर उनका नाम अंकित किया गया था।

इससे पहले, गडकरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सिद्धरमैया को 11 जुलाई को कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए आधिकारिक निमंत्रण दिया गया था। कार्यक्रम संबंधी किसी भी संभावित चुनौती को देखते हुए 12 जुलाई को एक और पत्र भेजा गया, जिसमें डिजिटल माध्यम से उनकी उपस्थिति का अनुरोध किया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे गए दोनों पत्र भी 'एक्स' पर पोस्ट किए हैं।

हालांकि, सिद्धरमैया ने सोमवार को एक सवाल के जवाब में कहा, हममें से कोई भी भाग नहीं ले रहा है, क्योंकि मुझे आमंत्रित नहीं किया गया था। मैंने नितिन गडकरी से फोन पर बात की और उन्हें इस बारे में सूचित किया। उन्होंने कहा कि वह कार्यक्रम स्थगित कर देंगे। फिर मैंने उन्हें एक पत्र लिखा। संभवतः भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेताओं के दबाव डालने के कारण मुझे कुछ बताए बिना वे ऐसा कर रहे हैं। मैं नहीं जा रहा हूं। मेरा इंडी में एक पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम है। कार्यक्रम एक महीने पहले निर्धारित था, मैं वहां जा रहा हूं।

उन्होंने बेंगलुरु में पत्रकारों से

कहा, विरोध स्वरूप हममें से कोई भी नहीं जा रहा है। न तो मैं, न लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री, न जिला प्रभारी मंत्री और न ही सागर विधायक।

यह पूछे जाने पर कि क्या इससे केंद्र और राज्य के बीच टकराव नहीं होगा, मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें (केंद्र को) आमंत्रित करना चाहिए था, ठीक कहा न टकराव किसने शुरू किया है? उन्होंने ही टकराव शुरू किया है। 'प्रोटोकॉल' का पालन करना होगा। यह कार्यक्रम हमारे राज्य में हो रहा है, हम एक संघीय व्यवस्था में हैं।

सिद्धरमैया के दावे को खारिज करते हुए गडकरी ने अपने पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार स्थापित 'प्रोटोकॉल' का पालन करती रही है और कर्नाटक सरकार तथा मुख्यमंत्री के योगदान और सहयोग की निरंतर सराहना करती रही है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार सहकारी संघवाद और सभी राज्यों के साथ घनिष्ठ समन्वय के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

भाजपा सांसद राघवेंद्र ने 'एक्स' पर कहा कि नौ जुलाई को उन्होंने मुख्यमंत्री को पुल के उद्घाटन के लिए बेहद आदर के साथ आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री जिस तरह से सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि उन्हें निमंत्रण देर से मिला है, क्या यह उचित है?

उन्होंने कहा, शरावती नदी पर बना यह पुल छह दशकों के संघर्ष और हजारों लोगों की मेहनत का परिणाम है। इतना ही नहीं, यह हजारों लोगों की भावनाओं का भी प्रतिबिंब है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि उनकी भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं।

सांसद ने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि निमंत्रण पत्र पहले ही मिलने के बाद भी विकास का राजनीतिकरण करना 'शरावती बैकवाटर' क्षेत्र के लोगों का अपमान है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप राज्य की जनता के सामने अपना बयान तुरंत वापस लें और सच बताने का प्रयास करें।

अधिकारियों के अनुसार, सागरा तालुक में अंबरगोडलु-कलासवल्ली के बीच 'शरावती बैकवाटर' पर बने इस पुल का निर्माण 472 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इस पुल से सागरा से सिगंदूर के आसपास के गांवों की दूरी काफी कम होने की उम्मीद है, जो चौदेश्वरी मंदिर के लिए जाना जाता है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार शाम सिद्धरमैया द्वारा गडकरी को 11 जुलाई को लिखा गया एक पत्र साझा किया था।

आठ स्कूली वाहन सील, 20 के चालान

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। प्रदेश सरकार के निर्देश पर 15 दिन तक चलाए गए अभियान में परिवहन विभाग ने 20 स्कूली वाहनों के चालान किए हैं और फिटनेस नहीं होने पर आठ वाहनों को सीज किया है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में 1694 स्कूली वाहन संचालित हैं। परिवहन आयुक्त बीएन सिंह के निर्देश पर एक जुलाई से स्कूली वाहनों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया था। इसमें मानक के विरूद्ध चल रहे वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। मंगलवार तक चलाए गए अभियान के तहत परिवहन विभाग की चार टीमों ने 1233 वाहनों को जांच के लिए रोका। इनमें से 13 बसें मानक पूरे बिना संचालित हो रही थी। जबकि सात बसें की फिटनेस खत्म होने के बाद भी सड़ पर संचलित होती पाई गई। आरटीओ प्रवर्तन केडी सिंह गौर ने बताया कि विभाग ने 20 वाहनों के चालान किए और आठ बसों को सीज किया।

दुकान में लगी आग, कोई हताहत नहीं

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी थाना क्षेत्र में दिल्ली सहारनपुर मार्ग पर सोमवार रात मिस्त्री की दुकान में रखे पुराने टायरों में आग लग गई। दमकल कर्मियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग लगने से जनहानि नहीं हुई है। लोनी अपर कोट निवासी इसरार की दिल्ली सहारनपुर मार्ग पर मिस्त्री की दुकान है। उन्होंने बताया कि दुकान में वाहनों से उतरे हुए पुराने टायर रखे हुए थे। वह सोमवार शाम करीब आठ बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। उन्हें करीब एक घंटे बाद दुकान में आग लगने की जानकारी मिली। जब तक वह दुकान पर पहुंचे तो आस पास के लोगों ने दमकल कर्मियों को आग लगने की सूचना दे दी थी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने तीन गाड़ियों से पानी डालकर आग पर काबू पाया। तब तक दुकान में रखे पुराने टायर जल गये थे। उन्होंने करीब साठ हजार रुपये का नुकसान होने की बात कहीं है। दमकल विभाग के उपनिरीक्षक गौरव ने बताया कि तीन गाड़ी से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया था।

ट्रैक्टर की टक्कर से सिर फटा-हाथ टूटा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। थाना इस्लामनगर जिला बदायूं के सकायम गांव में रहने वाले धनुष पाल का कहना है कि 11 जुलाई की शाम करीब चार बजे वह मोरटा गेट के पास मेरठ रोड पर पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनके बायें हाथ की हड्डी टूटने का पता चला और सिर में भी गहरी चोट थी। धनुष पाल का कहना है कि घटना के वक्त ट्रैक्टर को पीपल वाली गली गुलधर सेकेंड निवासी यशपाल चला रहा था। घटना के संबंध में धनुष पाल ने मधुबन बापूधाम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। सीओ भास्कर वर्मा का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

पिता-बेटी को कार चालक ने मारी टक्कर, विरोध पर पीटा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की काका विहार कालोनी में 14 मई को कार चालक ने दुकान से सामान लेकर पिता के साथ आ रही 11 वर्षीय बेटी को टक्कर मार दी। विरोध करने पर कार चालक ने रिश्तेदारों के साथ उनके घर में घुसकर मारपीट की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने सोमवार को 16 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की हैं। काका विहार कालोनी निवासी विनोद 14 मई को 11 वर्षीय बेटी के साथ दुकान पर घर का सामान लेने गये थे। घर लौटते समय पड़ोस में रहने वाले सतवीर के रिश्तेदार ने बेटी को कार से टक्कर मार दी। विरोध जताने पर चालक ने उनके साथ मारपीट की। शोर मचने पर कार चालक के करीब सात रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। वह किसी तरह से जान बचाकर बेटी के साथ घर पहुंचे। आरोपी घर की महिलाओं के साथ लाठी, डंडे लेकर उनके घर आ गये। जहां सबने मिलकर उनके व परिवार के साथ मारपीट की। इस दौरान उनके सिर पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस के सुनवाई न करने पर उन्होंने कोर्ट की शरण ली। सीओ अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर रविंद्र, धर्मेंद्र, परविंदर, विनीत, निखिल, गोलू, अमित, विपिन, नितिन, अनुज, सौरभ, आरती, समीता, राजेश, सोनू और टिंकू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मारपीट की घटनाओं में युवती समेत दो घायल

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। अलग-अलग थानाक्षेत्र में हुई मारपीट की दो घटनाओं में युवती समेत दो लोग घायल हो गए। वेव सिटी थानाक्षेत्र के शाहपुर बम्हैटा गांव में रहने वाले संदीप कुमार का कहना है कि 13 जुलाई को वह तथा अन्य परिजन बाहर गए हुए थे। उनकी बहन रेखा घर पर अकेली थी। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले ताऊ के बेटे ब्रह्म, जितेंद्र और बेटी मनीषा ने घर के बाहर उनकी बहन के साथ बुरी तरह मारपीट की। विरोध करने पर तीनों बहन-भाइयों ने उनकी बहन को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना में उनकी बहन घायल हो गई। संदीप कुमार के मुताबिक घर लौटने पर बहन ने घटना बताई, जिसके बाद उन्होंने वेव सिटी थाने में शिकायत दी। सीओ प्रियाश्री पाल का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दूसरे मामले में मसूरी थानाक्षेत्र के गांव भूड़गढ़ी में रहने वाले परवेज का कहना है कि 13 जुलाई की दोपहर करीब एक बजे मोगा तथा दो अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिसमें वह घायल हो गए। शोर-शराबा होने पर लोग इकट्ठा हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित ने मसूरी थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल गई कक्षा दस की छात्रा लापता,अनहोनी की आशंका

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 15 वर्षीय छात्रा लापता हो गई। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। एक गांव निवासी महिला की 15 वर्षीय पुत्री कक्षा दस की छात्रा है। 14 जुलाई को छात्रा स्कूल गई थी,लेकिन वापस नहीं आई। काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है।

कार के सामने आए गुलदार, ग्रामीणों में दहशत पिंजरा लगाने की मांग

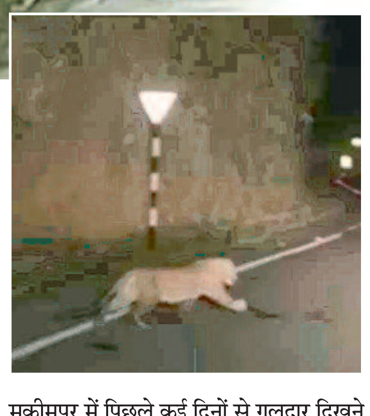

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर/अफजलगढ़** ✷

गढ़वावाला निवासी बिलाल मलिक शुक्रवार रात करीब 9 बजे कार से अफजलगढ़ की ओर आ रहा था। जब वह गांव में ही कब्रिश्तान के पास पहुंचा तो कार के सामने तीन गुलदार आ गए। दो गुलदार झाड़ी में चले गए, एक सड़क पर ही रुक गया।

युवक ने गुलदार की वीडियो बनाई जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। गांव गढ़वावाला व मेघपुर निवासी ग्राम प्रधान मुख्तियार मलिक, बिलाल मलिक, सुहैल मलिक, शाहनवाज मलिक, हैदर मलिक, ग्राम प्रधान मेघपुर रिजवान ने बताया कि इस मार्ग पर आवागमन लगा रहता है अब ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गांव में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़वाने की मांग की है।

मिलक मुकीमपुर में गुलदार दिखने से ग्रामीणों में दहशत :

धामपुर के गांव जमापुर जागीर और मिलक मुकीमपुर में पिछले कई दिनों से गुलदार दिखने से ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गुलदार को पकड़ने की मांग की है। ग्रामीण नौशाद तिपमल, महावीर, पंकज कुमार आदि ने बताया कि पिछले कई दिनों से उनके गांव के जंगलों में गुलदार अधिक दिखाई दे रहा है। जिसके डर की वजह से लोगों ने जंगल में जाना बंद कर दिया है। रेंजर गोविंद राम गंगवार का कहना है कि दोनों गांवों में जल्दी पिंजरा लगवा कर गुलदार को पकड़वाने का प्रयास किया जाएगा।

पशुओं का चारा लेने जंगल गई महिला पर गुलदार ने किया जानलेवा हमला

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷

ब्लाक क्षेत्र क्षेत्र के ग्राम पिलाना में पशुओं के लिए चारा लेने गई महिला पर गुलदार ने जानलेवा हमला कर दिया। घायल महिला को पहले सीएचसी हल्दौर ले जाया गया जहां से उसे बिजनौर स्थित जिला अस्पताल में रेफर किया गया है।

हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव पिलाना निवासी किशवरी खातून मंगलवार को पति शाहिद के साथ पशुओं के लिए जंगल से चारा लेने गई थी। घायल महिला के पति ने बताया कि जैसे ही घास काटने के लिए किशवरी खेत में बैठी उस समय पहले से ही घात लगाए बैठे गुलदार ने पीछे से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया।

यह देख शाहिद ने शोर मचाया तब जाकर गुलदार ने किशवरी को छोड़ा। शाहिद ने बताया कि गुलदार ईख के होकर भाग गया। शाहिद ने गांव में सूचना दी, जिस पर मौके पर पहुंचे परिजन उपचार के लिए सीएचसी हल्दौर ले गए।

गंभीर हालत देखते हुए घर किशवरी को जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना पाकर वन विभाग की टीम गांव पहुंची और पिंजरा लगाया। इस संबंध में वन क्षेत्र अधिकारी चांदपुर दुष्यंत कुमार ने बताया कि पिंजरा लगाकर जल्द ही गुलदार को पकड़ लिया जाएगा।

बता दें कि पिछले दिनों भी गुलदार ने गांव पिलाना में एक महिला पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। जबकि पास के एक गांव में एक स्कूली छात्र को गुलदार ने निवाला बना लिया था। गुलदार को पकड़ने व मुआवजे की मांग को लेकर छात्र के परिजनों ने अम्हेड़ा चौराहे पर छात्र का शव रखकर बिजनौर, नूरपुर एवं चांदपुर मार्ग जाम कर दिया था। परंतु वन विभाग की टीम से आज तक आदमखोर गुलदार नहीं पकड़ा गया है।

क्षेत्र में अपराधियों के हौसले बुलंद, पुलिस चोरी की घटनाओं का खुलासे में पुलिस

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷

नगर में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं एक माह के भीतर हुई आधा दर्जन चोरियों में से अभी तक किसी एक का भी खुलासा नहीं किया गया जिससे व्यापारियों में रोष व्याप्त है।

नगर में बीती रात दो दुकानों के शटर के ताले तोड़कर हजारों रुपए की चोरी हुई। जिसमें धूलिया महादेव संस्थान की दुकान में विकास अग्रवाल पुत्र विधु शेखर अग्रवाल निवासी मोहल्ला खेड़ा रोज अपना चाट का ठेला लगाता है। रात्रि में उसकी दुकान के शटर का ताला तोड़कर कमर्शियल 19 किलो का गैस सिलेंडर चोर चोरी करके ले गए। उधर दूसरी घटना पोखर बाजार स्थित असलम पुत्र असदुद्दीन निवासी हल्दौर का भारत शूज हाउस में हुई। जिसमें चोर इन्वेंटर बैटरा चोरी कर ले गये। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई। पुलिस ने मौका मुआयना किया। और तहरीर देने की बात कही। अभी तक नगर में कई चोरी हो चुकी है। लेकिन पुलिस के द्वारा किसी का भी खुलासा नहीं किया गया जिससे व्यापारियों में रोष व्याप्त है। कस्बे की पुलिस कुम्भ कर्णी नींद सोती है नगर में रात्रि में न कोई पुलिस गश्त होती है नगर में पुलिस की लापरवाही के चलते गुण्डा गर्दी भी चर्म पर है।

गली मौहल्लों के नुक्कड़ व चौराहों पर गुण्डे खड़े हो जाते हैं और शरीफ़ लोगों व महिलाओं बच्चों का आना-जाना दुश्वार हो जाता है। ऐसा लगता है कि जैसे कस्बे व थाने में पुलिस है ही नहीं नगर के संभ्रांत लोगों में पुलिस के प्रति रोष व्याप्त है।

जमीन बेचने का सौदा कर साढ़े पांच लाख ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

नंदग्राम थानाक्षेत्र में जमीन बेचने का सौदा कर साढ़े पांच लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित के साथ मारपीट की और हत्या की धमकी दी। एडिशनल सीपी से शिकायत के बाद पुलिस ने पिता-पुत्र समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अटौर गांव के रहने वाले हरेंद्र का कहना है कि उनके दिवंगत पिता हरीशचंद्र ने गांव के ही राजकुमार से छह लाख रुपये में खेती की जमीन खरीदी थी। साढ़े पांच लाख रुपये देकर जमीन की खरीद-फरोख्त का इकरारनामा नौ फरवरी 2017 को पंजीकृत कराया था। बाकी 50 हजार रुपये बैनामा होने पर देने तय हुए थे।

दोनों पक्षों की सहमति से बैनामे कि अंतिम तिथि आठ जनवरी 2028 निर्धारित हुई थी। आरोप है कि राजकुमार निर्धारित तिथि पर बैनामा करने के लिए रजिस्ट्रार कार्यालय में नहीं आया। उनके पिता शाम तक वहां इंतजार करते रहे। शाम को राजकुमार के घर गए तो उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

तंग आकर उनके पिता ने सिविल कोर्ट में वाद दायर कर दिया, जो वर्तमान में भी विचाराधीन है। हरेंद्र के मुताबिक 22 मई 2020 को पिता का देहांत होने के कारण मुकदमे में उन्हें, उनके भाइयों मुकेश, नरेश, महेश तथा मां रामकली को वारिस बनाया गया।

आरोप है कि कोर्ट में केस विचाराधीन होने के बावजूद राजकुमार ने अपना सारा हिस्सा मयूर विहार फेज-वन निवासी हरिकिशन को बेच दिया और 18 दिसंबर 2024 को जमीन का बैनामा भी कर दिया। हरेंद्र का आरोप है कि इस फर्जीवाड़े में राजकुमार के साथ उसका बेटा जितेश तथा गांव का ही गौरव कुमार भी शामिल है।

हरेंद्र के मुताबिक उन्होंने विरोध किया तो 11 अप्रैल 2025 को राजकुमार, गौरव कुमार, जितेश और हरिकिशन ने गाली-गलौज करते हुए उन पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने 11 अप्रैल को ही शिकायत कर दी थी, लेकिन नंदग्राम पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि पांच मई 2025 को भी चारों आरोपियों ने घर में घुसकर उनके साथ मारपीट की।

थक-हारकर पीड़ित ने एडिशनल सीपी को शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ 14 जुलाई को नंदग्राम थाने में धोखाधड़ी, मारपीट, धमकी तथा अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

भुगतान को लेकर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने गन्ना प्रबंधक से की मुलाकात

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷

बिलाई मिल बकाया गन्ना भुगतान को लेकर आज किसान मजदूर संघर्ष

मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बिलाई मिल पहुंचकर गन्ना प्रबंधक राहुल चौधरी से मुलाकात कर मिल के प्रबन्ध निदेशक को एक ज्ञापन भेजा।

मुलाकात के दौरान संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष विकास चौधरी ने कहा कि बिलाई मिल द्वारा समय से गन्ना भुगतान न होने के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो रही है। समय से गन्ना भुगतान न होने के कारण किसानों को बच्चों की शिक्षा, बीमारी, शादी समारोह व आगामी फसलों में आने वाले खर्चों में समस्या उत्पन्न हो रही है। विकास चौधरी ने कहा कि बिलाई मिल गन्ना भुगतान पर शासन प्रशासन मौन बनाए हुए हैं जोकि बर्दाश्त योग्य नहीं है।

गन्ना प्रबंधक राहुल चौधरी को ज्ञापन सौंपते हुए विकास चौधरी ने कहा कि अगर बिलाई मिल द्वारा शीघ्र गन्ने का समश्त भुगतान नहीं किया गया तो किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा आन्दोलन शुरू करेगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विकास उर्फ नूरी, राकेश कुमार, मुनेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लेखपाल संघ शाखा नगीना ने तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया

प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम नगीना को दिया ज्ञापन

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ शाखा तहसील नगीना ने तहसील परिसर में धरना देने के बाद एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को उपजिलाअधिकारी नगीना के माध्यम से भेजा।

ज्ञापन में हापुड़ में जिला अधिकारी के दमनात्मक व्यवहार एवं उत्पीड़नात्मक कार्रवाई से तनावग्रश्त लेखपाल की हृदयविदारक मृत्यु की घटना में प्रभावी कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा है कि जनपद हापुड़ में जिलाअधिकारी के अधीनस्थ के प्रति अपमानजनक एवं दमनात्मक व्यवहार एवं बिना जांच के ही झूठी शिकायत पर उत्पीड़नात्मक कार्रवाई से तनाव में आए लेखपाल सुभाष मीणा की मृत्यु हो गई है। इस हृदयविदारक घटना से प्रदेश के समश्त लेखपाल आहत हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि कुछ अधिकारियों में सोशल मीडिया/प्रिंट मीडिया एवं आम जनता के मध्य पब्लिसिटी पाने की इच्छा के कारण बैठक/तहसील दिवस थाना समाधान दिवस/ग्राम चौपाल के दौरान अधीनस्थ को सार्वजनिक रूप से अपमानित करने एवं दंडित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिससे कर्मचारी तनाव/डिप्रेशन के शिकार हो रहे है।

नौकरी में बढ़ते कार्य के दबाव के साथ अधिकारियों के व्यवहार के कारण जहां कर्मचारियों का स्वास्थ पारिवारिक जीवन बिगड़ रहा है, वहीं शासकीय कार्य सम्पादन मनो श्रम के सापेक्ष आउट पुट अच्छा प्राप्त नहीं होता है।मुख्य संचित के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, जिनके अनुसार कर्मचारी समस्याओं के सम्बंध में संगठन पदाधिकारियों के साथ प्रतिमाह बैठक किए जाने का प्रावधान है। संवादहीनता एवं संवेदनहीनता के कारण ऐसी घटनाएं घटित होती है।

हापुड़ की घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुए उच्च श्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं जिससे कर्मचारियों में न्याय की आशा बढ़ी है। ज्ञापन के मांग की गई है कि मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। मृतक के आश्रित को योग्यता अनुसार सरकारी सेवा में नियुक्ति दी जाए।जांच रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त कर दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए।

समस्त अधिकारियों की अधीनस्थ के साथ मांनवीय एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश निर्गत किए जाए।मुख्य सचिव द्वारा निर्गत शासना देशो,जिनमे समस्त पाती व. मण्डलीय, जनपदीय तहसील श्तरीय अधिकारियों को प्रतिमाह कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कर्मचारी समस्याओं को सुनने एवं समाधान करने के निर्देश निर्मत किए गये। इस मौके पर जिला मंत्री अमित मिश्रा,रतिराम, दीपक कुमार दिनेश कुमार आदेश सचिन शर्मा अमित गुप्ता अंसार उलहक हिमांशु विपुल सौरभ चौहान अभिलाष बेणीराम नितिन कुमार अनुज तोमर योगेश,कानून गो

जितेंद्र कुमार,कमल शर्मा, खंड मंत्री अमरेश दत्त,राजेश कुमार, करन सिंह आदि की मौजूदगी रही।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक हुई संपन्न

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

सांसद सतीश कुमार गौतम की अध्यक्षता में मंगलवार को कलैक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आहुत की गई। सांसद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यहां उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों का लक्ष्य केंद्र व प्रदेश सरकार सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने जिला पुलिस-प्रशासन, नगर निगम समेत अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में सभी अधिकारी टीम भावना के साथ बेहतर ढंग से कार्य कर रहे हैं। सरकारी मशीनरी के साथ जब स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग व सुझाव शामिल होते हैं तो योजनाएं धरातल पर पारदर्शी तरीके से मूर्त रूप लेती हैं।

समीक्षा के दौरान डीसी मनरेगा अनुज सक्सेना ने बताया कि मनरेगा योजनान्तर्गत 2024-25 में 4742 श्रमिकों के द्वारा 100 दिवस का रोजगार प्राप्त किया गया है जिनमें से 2851 श्रम विभाग के पोर्टल पर पंजीकृत हैं। श्रम विभाग एवं सेवायोजन कार्यालय के सहयोग से अवशेष का पंजीकरण किया जा रहा है। मा0 ब्लॉक प्रमुखों द्वारा ग्रामों में स्थापित सामुदायिक शौचालयों के संचालन एवं केयर टेकर (स्वयं सहायता समूह की महिला) के भुगतान के संबंध में एक सप्ताह में फोटोग्राफ समेत डीसी एनआरएलएम मंजू त्रिवेदी एवं डीपीआरओ यतेन्द्र सिंह को रिपोर्ट प्रश्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में बताया गया कि कुल प्रशिक्षित 1141 बच्चों के सापेक्ष 573 का विभिन्न कम्पनियों में प्लेसमेंट हुआ है, जिस पर मा0 एमएलसी डा0 मानवेन्द्र प्रताप ने विगत दो वर्ष की रिपोर्ट प्रश्तुत करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में एक्सईएन आरईडी चन्द्रवीर द्वारा समुचित जानकारी उपलब्ध न कराने पर मा0 एमएलसी प्रो0 तारिक मंसूर ने अधिकारियों को बैठक में पूरी तैयारी के साथ प्रतिभाग करने की हिदायत दी। मा0 एमएलसी ने कहा कि शहर के मध्य से गुजरने वाला जीटी रोड जोकि प्रमुख मार्ग है, वर्तमान में जगह-जगह गड्ढ़े होने से चलना दूभर हो रहा है। जनसामान्य की सुगमता के लिए इसे तत्काल गड्ढ़ामुक्त किया जाए।

राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन की समीक्षा में ग्रामों में खोदी गई सड़कों के पुनरोद्धार एवं विद्युत व्यवस्था को लेकर सभी ब्लॉक प्रमुख द्वारा तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई जिस पर सांसद ने दोनों विभागों की पृथक से बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उप कृषि निदेशक अरूण चौधरी ने बताया कि बीमित कृषकों के सापेक्ष 1924 लाभार्थियों को 137.81 लाख की क्षति पूर्ति प्रदान की गई। खरीफ सीजन में अब तक 9353 किसानों को बीमित किया गया। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि मल्टी लेबल कार पार्किंग का कार्य अगले तीन माह में पूर्ण हो जाएगा। कार्य में देरी के चलते कम्पनी पर 10.25 करोड़ का अर्थ दण्ड भी लगाया गया है। अन्तर्राष्ट्रीय मानकों पर निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के संबंध में उन्होंने अगश्त मासान्त तक कार्य पूर्ण होने की बात कही। सीएमओ डा0 नीरज त्यागी ने बताया कि बरसात के मौसम में सर्पदंश की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सभी सीएचसी पर एंटीवेनम उपलब्ध है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि आमजन में इसका प्रचार-प्रसार किया जाए कि सर्पदंश की स्थिति में पीड़ित

मेयर ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल की गिनाई उपलब्धि

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

मेयर के दो वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने पर उनके आवास पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान

महापौर प्रशांत सिंघंल ने अपने कार्यकाल में किये गये विकास कार्यो को विश्तार से बताया।

प्रशांत सिंघल ने पत्रकारों को बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी की मंशा के अनुरूप विकासकार्य किये। सडक व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु राजय वित, निगम, 15 वां वित आयोग, नगरीय अवस्थापना विकास निधि, मुख्यमंत्री नगर सृजन व सी.एम. सिंह योजनान्तर्गत 420 करीब में 1500 कार्य कराये गये, जिनमें 1450 सड़क, नाले व पुलियाओं, 50 स्कूलों का कायाकल्प अमृत सरोवर, का विकास, तांगा स्टैण्ड पर फूड प्लाजा, नई बश्ती मं वृद्धाश्राम, मथुरा रोड पर बारात घर, लाइब्रेरी, वैक्सीनेशन सेन्टर, विभिन्न मार्गो पर प्रतीक चिन्ह, गांधी पार्क का सौद्वर्यीकरण, सदन का कार्य कान्हा उपवन का निमार्ण सेन्टर, ए.बी.सी. डॉग केयर सेन्टर, एलमपुर स्थित नगर निगम द्वारा प्राइमरी स्कूल, कम्पनी बाद चौराहा एवं अम्बेडकर पार्क का सौन्दकरण व प्रवेश द्वार का निमार्ण प्रगति पर है। उदय सिंह जैन रोड का निमार्ण कार्य कराया गया जो बहुत ही लंबे समय से खश्ता हालत में पड़ी थी एवं नई गाइडलाइन के तहत सभी कार्यो में गुणवत्ता एवं समय सीमा निर्धारित की गई।

इसके अलावा 40 मिनी और 36 बडे नलकूप, 300 हैंडपंप रिबोर, 50 नये सबमर्सिबल और 60 हैंडपंप लगवाए और 500 हैंडपंप में डीप वेल डाली गई।

भाजपा नेता सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का करेंगे प्रचार प्रसार

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

विकसित भारत मिशन 2047 को सफल बनाने के लिये भा.ज.पा नीति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमीम अल्वी श्रम प्रकोष्ठ ने जिला बिजनौर के नहटोर विधानसभा के निवासी पारस जैन पुत्र स्व श्री राजकुमार जैन मौहल्ला पंचायती मंदिर को भाजपा नीति मंच श्रम प्रकोष्ठ मे राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश पद पर नियुक्त किया हैं।

पारस जैन ने भरोसा दिलाया की उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई हैं। उसे वे सच्ची निष्ठा के साथ भारत को मजबूत करने मे कोई कसर बाकि नहीं छोडेंगे ।इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से पारस जैन को भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने उन्हें बधाई दी हैं।

कावड़ियों के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले को भेजा जेल

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

कांवडियों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक को गिरफ्तार कर पुलिस ने उसका चालान कर दिया। सोशल मीडिया सेल के

माध्यम से स्थानीय पुलिस को जानकारी मिली कि एक युवक ने फेसबुक पर आलम मलिक नाम की आईडी से एक पोस्ट पर अपनी टिप्पणी में कावडियों को लिए आतंकवादी शब्द का प्रयोग किया है।

जिससे एक पक्ष के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है तथा किये गये पोस्ट से लोगों में रोष व्याप्त है। पुलिस ने आईडी पर लगी फोटो की क्षेत्र के लोगों को पहचान कराई तो उक्त आईडी जाने आलम निवासी मुस्सेपुर पाली थाना नहटौर की पाई गई। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया गया है।

संपादकीय

क्या अब 'डीप स्टेट' का नया मोहरा प्रशांत किशोर होंगे?

बिहार में प्रशांत किशोर और नॉर्वे के राजनयिक की गुप्त बैठक के बाद एक बार फिर डीप स्टेट टूलकिट की चर्चा होने लगी है। कई देशों को अस्थिर कर चुका ये टूलकिट भारत में कई बार अपना हाथ आजमा चुका है। किसान आंदोलन, पहलवान आंदोलन, अन्ना आंदोलन और उसके बाद केजरीवाल की मदद कर चुका है। सीएए के खिलाफ देशभर में हुए विरोध प्रदर्शन और सबसे बड़ा शाहीन बाग आंदोलन ऐसे टूलकिट के जरिए मिले विदेशी फंडिंग के दम पर फले-फूले। जानकारी के अनुसार भारत में नॉर्वे की राजदूत एलिन स्टेनर ने राजनैतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर से पटना में उनके आवास पर बैठक की है। देखने में यह एक सामान्य कूटनीतिक मुलाकात लग सकती है लेकिन नॉर्वे के इतिहास और बिहार के लिए प्रशांत किशोर की महत्वाकांक्षा को देखते हुए कई राजनीतिक जानकार इस मुलाकात की जाँच कराने की माँग कर रहे हैं।

अलग-अलग राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीतियाँ बनाने वाले प्रशांत किशोर अब जन सुराज पार्टी बना कर बिहार के चुनावी राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में ये मुलाकात कहीं बिहार से संबंधित तो नहीं है? क्या किसी इंटरनेशनल संगठन की बिहार में विशेष रुचि है? ये भारत की अस्थिर करने की साजिश तो नहीं? या बिहार में निवेश को लेकर प्रशांत किशोर गंभीर हो रहे हैं, हालाँकि उन्होंने पहले ही कह दिया है कि बिहार को किसी बड़े कारखाने की जरूरत ही नहीं है।

इस दौरान उन्होंने नार्वे के विकास की बात भी कही थी। तो क्या निवेश और पर्यावरण के नाम पर अब प्रशांत किशोर को नार्वे अपने एजेंडे के तहत सेट कर रहा है? प्रशांत किशोर को बिहार का अभिजात्य वर्ग भी पसंद कर रहा है। ऐसे में प्रशांत किशोर के सहारे अनौपचारिक किंगमेकर बनने की कोशिश नार्वे कर सकता है, ताकि भारत के संघीय ढाँचे को नुकसान पहुँचाया जा सके। कई लोग तो प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी की विदेशी फंडिंग की जाँच की माँग भी कर रहे हैं।

जानकारों की माने तो ये पहली बार नहीं है जब विदेशी फंडिंग को लेकर चर्चा हो रही है। दिल्ली के रामलीला मैदान में हुआ अन्ना आंदोलन और उससे निकलने वाली आम आदमी पार्टी और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के विदेशी फंडिंग की जाँच सरकार कर रही है। ईडी ने आम आदमी पार्टी को 2014 से 2022 के बीच 7.08 करोड़ रुपए का विदेशी फंड मिलने की जानकारी गृहमंत्रालय को दी थी। इसमें अमेरिका, कनाडा, सऊदी अरब, यूएई से लेकर कई यूरोपीय देश शामिल हैं।

कहीं ऐसा तो नहीं है कि अब केजरीवाल का ग्राफ नीचे जाते ही प्रशांत किशोर विदेशियों के लिए नए विकल्प के रूप में सामने आ रहे हैं। इससे पहले सीएए के खिलाफ देशभर में हुई हिंसा और शाहीन बाग आंदोलन में विदेशी ताकतों का हाथ होने की बात सामने आई। ईडी ने साफ तौर पर पीएफआई के फंडिंग की बात की थी। यही हाल किसान आंदोलन और महिला पहलवानों के विरोध का भी रहा। केन्द्र सरकार ने अमेरिकन अरबपति जॉर्ज सोरोस के नेतृत्व वाले ओपन सोसाइटी फाउंडेशन पर आंदोलन को आर्थिक मदद करने का आरोप लगाया था। आंदोलन का मकसद भारत की आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना और देश को अस्थिर करना था। किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले राकेश टिकैत पर खुद उनके सहयोगियों ने भी विदेशी फंडिंग का आरोप लगाया था।

नॉर्वे ने भारत-पाकिश्तान के बीच कश्मीर को लेकर खुद को 'तटस्थ' बताते हुए मध्यस्थता का प्रश्ताव दिया था लेकिन भारत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया क्योंकि कश्मीर मामले में 'बाहरी हश्तक्षेप' हमें कभी कबूल नहीं रहा। अब बिहार के बहाने भारत में फिर से दिलचस्पी लेना एक पूर्वनियोजित रणनीति का हिस्सा लगता है। डीप स्टेट खुफिया तंत्रों सीआईए, एफबीआई जैसे अमेरिकन इंटेलिजेंस एजेंसी का नेटवर्क है। इनमें दुनिया के सरकारी और गैर सरकारी अभिजात्य वर्ग शामिल हैं जो लोकतान्त्रिक रूप से चुनी गई सरकार से ज्यादा ताकतवर है। ये दुनिया के किसी भी कोने में सरकारों को बनाने- गिराने का माद्दा रखती है। ओस्लो का डीप स्टेट के साथ रिश्ता काफी गहरा है। नाटो के साथ उसका ऐतिहासिक समझौता है और डीप स्टेट का सेंटर ऑस्लो में है। दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश नॉर्वे हर हाल में सीआईए को भी सूट करता बताया जाता है।

नॉर्वे का 1.4 ट्रिलियन डॉलर का सॉवरेन ऑयल फंड उसे मजबूत बना रहा है। ये मुनाफा रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूरोप के ऊर्जा संकट से हुए रिकॉर्ड "युद्ध मुनाफ़े" पर आधारित है। क्योंकि कई देशों ने रूस से ऑयल खरीदना बंद कर दिया था। इसका फायदा नॉर्वे को मिला। सॉवरेन ऑयल फंड की वैल्यू दुनिया में दखलंदाजी के लिए काफी है। इसने क्लिंटन फाउंडेशन, बिल गेट्स की परियोजनाओं और नाटो से जुड़े दुनिया के कई देशों में शासन बदलने की कोशिशों में लगे संगठनों को मदद करता है। यही वजह है कि अर्थशास्त्री अब नॉर्वे से आग्रह कर रहे हैं कि वह इस फंड का उपयोग यूक्रेन की आर्थिक मदद के लिए करे।

दिल्ली में केजरीवाल सरकार का जाना, आम आदमी पार्टी का कमजोर पड़ना और शाहीन बाग- किसान विरोध जैसे आंदोलन के नहीं चलने के बाद अब डीप स्टेट टूलकिट के जद में प्रशांत किशोर आ गए हैं। ये टूलकिट ऐसे लोगों की तलाश करते हैं जो महत्वाकांक्षी हो, जमीन पर दिख रहा हो और जिसे मिला कर 'अनौपचारिक किंगमेकर' बन सकें। ये टूलकिट ऐसे प्रयासों को किसी देश के आंतरिक मामलों में हश्तक्षेप नहीं मानते बल्कि लोकतंत्र या मानवीयता के लिए 'जरूरी' मानते हैं।

इस सोची-समझी रणनीति का खुलासा नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग (अब नाटो महासचिव) ने लीबिया के संबंध में किया था- "नॉर्वे लीबिया पर हमले में शामिल हुआ क्योंकि 'यह नॉर्वेजियन वायु सेना के लिए एक अच्छा अभ्यास होगा'।"

जानकारों के अनुसार प्रशांत किशोर और नार्वे के राजदूत के बीच बैठक महज कूटनीतिक नहीं है। ये भारत को अस्थिर करने की रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। इसके लिए तरह- तरह से फंडिंग कर चुनाव को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश किए जाने का अंदेशा है। इसलिए भारत को सभी गैर-सरकारी संगठनों को होने वाली फंडिंग का ऑडिट करना चाहिए जिससे इनकी वाशतविकता सामने आ सके।

छांगुर बाबा के साम्राज्य का अंत लेकिन कितने बाकी

राजेश कुमार पासी

अकसर हिन्दू संगठन लव जिहाद का मुद्दा उठाते रहते हैं लेकिन सभी उनका मजाक उड़ाते हैं कि ये उनकी साम्प्रदायिक सोच है, ऐसा कुछ नहीं है। विडम्बना यह है कि बार-बार लव जिहाद के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन उनकी अनदेखी कर दी जाती है। लव जैहाद कुछ और नहीं है बल्कि हिन्दू लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाने का एक तरीका है।

यह भी बार-बार सुनने में आता है कि लव जैहाद के लिए मुस्लिम लड़कों को पैसा दिया जाता है ताकि वो हिन्दू लड़कियों को अपने प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करें और इसके बाद उन्हें इस्लाम कबूल करवायें। यूपी के बलरामपुर के उतरौला के छांगुर बाबा के मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि इस देश में सुनियोजित तरीके से धर्म परिवर्तन का धंधा चल रहा है। मुस्लिम देशों से इसके लिए बेइंतहा पैसा आ रहा है इसलिए इस धंधे के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है।

मुस्लिम लड़कों के लिए ये दोगुने फायदे का काम है। एक तो उन्हें इस काम के लिए मोटी रकम मिलती है तो दूसरी तरफ उन्हें इस काम से धर्म की सेवा का मौका भी मिलता है। मौलाना उन्हें इस काम के बदले जन्नत का लालच देते हैं।

उतरौला में पैदा होने वाला छांगुर बाबा कभी भीख मांग कर गुजारा करता था और इसके बाद उसने नकली अंगूठी बेचने का धंधा शुरू किया लेकिन जब उसने धर्म परिवर्तन का धंधा शुरू किया तो वो सैकड़ों करोड़ का स्वामी बन गया। आसपास के इलाकों में उसका इतना दबदबा हो गया कि उसके खिलाफ मुंह खोलना किसी के लिए संभव नहीं था। वास्तव में उसने अपने इलाके में पुलिस-प्रशासन और अदालत में इतनी पकड़ बना रखी थी कि उसके खिलाफ आवाज उठाने वाले के ऊपर फर्जी मुकदमें ठोक दिये जाते थे।

हैरानी की बात है कि कई एकड़ की सरकारी भूमि पर उसने कब्जा करके बड़ी इमारत बनाकर अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था लेकिन वहां का प्रशासन आँखे बंद करके बैठा रहा। सवाल यह है कि पिछले 15-16 सालों से बलरामपुर में गैरकानूनी धंधे कर रहे छांगुर बाबा पर पुलिस और प्रशासन इतने मेहरबान क्यों थे।

मैं सरकारी सेवा में 27 साल रहा हूं, अच्छी तरह जानता हूं कि अफसर सब कुछ देखकर अनदेखा क्यों करते हैं। इस सच को भी जानता हूं कि इस अनदेखी के लिए पैसा ऊपर से नीचे तक जाता है।

मतलब साफ है कि स्थानीय प्रशासन में बैठे लोगों को सब कुछ पता था लेकिन उन्हें अनजान बने रहने के लिए छांगुर बाबा नियमित रूप से मोटा पैसा दे रहा होगा। मुख्यमंत्री योगी कितने भी सख्त प्रशासक हों लेकिन अभी भी पुराना इको सिस्टम काम कर रहा है। सच यह भी है कि अगर योगी मुख्यमंत्री नहीं होते तो यह बाबा कभी पकड़ में नहीं आता।

ये योगी ही हैं जिनके कारण प्रशासन उसके खिलाफ कार्यवाही करने को मजबूर हुआ अन्यथा ये मामला दबा दिया जाता। आज ईडी भी उसके खिलाफ जांच कर रही है लेकिन सवाल यह है कि लगभग 300 करोड़ की फंडिंग जुटा लेने वाले बाबा पर किसी की नजर पहले क्यों नहीं पड़ी।

मुझे ऐसा लगता है कि छांगुर पर कार्यवाही के साथ-साथ उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्यवाही की जानी चाहिए जो उसकी मदद कर रहे थे। मेरा तो मानना है कि बाबा के खिलाफ कार्यवाही से पहले इनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि उनके लालच ने ही ऐसा बाबा पैदा किया था। सरकार से वेतन लेने वाले ये लोग देश के खिलाफ जाकर बाबा का काम कर रहे थे। घर का एक छज्जा इन्हें दिखाई दे जाता है लेकिन 70 कमरों वाला महल इन्हें दिखाई नहीं दिया।

बैंक खातों में इतने बड़े लेनदेन के बावजूद आरबीआई को इसकी सूचना क्यों नहीं दी गई। उसने अपनी इमारत की दीवार बहुत ऊंची बनाई हुई थी और उन पर बिजली वाली कंटीली तारें लगाई हुई थी। किसी ने यह नहीं सोचा कि इतनी सुरक्षा क्यों की जा रही है और क्या छिपाया जा रहा है। पुलिस को कभी इस इमारत में आने-जाने वालों पर कोई शक नहीं हुआ और उसे किसी खबरी ने कभी नहीं बताया कि वहां क्या चल रहा है। लोकल पुलिस से उसके कारनामे कैसे छुपे रह गए।

छांगुर बाबा ने गरीब एवं विधवा हिन्दू लड़कियों और प्रेमजाल में फंसाकर लाई गई गैर-मुस्लिम लड़कियों के धर्मपरिवर्तन और यौन शोषण की पूरी व्यवस्था तैयार की हुई थी।

इसके लिए उसने कोडवर्ड बनाए हुए थे, मतांतरण को मिट्टी पलटना कहा जाता था। लड़कियों को प्रोजेक्ट कहा जाता था और उन्हें मानसिक रूप से प्रभावित करने को काजल करना कहा जाता था, दर्शन करना मतलब बाबा से मिलवाना था। बाबा आर्थिक रूप से कमजोर, विधवा और गैर-इस्लामी लड़कियों को बहला-फुसलाकर कर मतांतरण के लिए इश्तेमाल करता था।

उसने मतांतरण के लिए जाति-धर्म के अनुसार एक निश्चित रकम तय की हुई थी। इसका नेटवर्क सिर्फ बलरामपुर तक नहीं था बल्कि यूपी के कई इलाकों में फैला हुआ था। यूपी से बाहर भी उसने अपना धंधा फैलाया हुआ था। शिक्षा की आड़ में उसने विदेशी फंडिंग की मदद से बड़ी संख्या में मदरसों का निर्माण किया हुआ था।

वो सश्ती और सरकारी जमीनों पर मदरसों को निर्माण करवाता था और फिर उसके नाम पर विदेशी फंडिंग हासिल करता था। कितनी अजीब बात है कि गाजा में मुस्लिम बच्चे भूखे मर रहे हैं लेकिन मुस्लिम देश उनकी मदद को आगे नहीं आ रहे हैं लेकिन धर्म परिवर्तन के लिए ये देश पानी की तरह पैसा बहा रहे हैं।

ये मुस्लिम देश गरीब मुस्लिमों की मदद करने की जगह गैर-मुस्लिमों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए खुले दिल से पैसा बांट रहे हैं। गरीब अफ्रीकी देशों में मुस्लिम समाज के लोग भूखे मर रहे हैं और उनकी मदद केवल यूरोपीय देशों द्वारा की जा रही है।

अरबी मुस्लिम अपने सोने के महलों में अय्याशी कर रहे हैं लेकिन उनकी तरफ देखने को तैयार नहीं हैं। कितनी अजीब बात है कि जो पहले से मुस्लिम हैं, उनकी चिंता नहीं है लेकिन जो गैर-मुस्लिम हैं, उनको मुस्लिम बनाने के लिए ये लोग अरबों रुपये लुटाने के लिए तैयार हैं। ये सोचना गलत होगा कि इन लोगों के पास केवल एक छांगुर बाबा होगा बल्कि मेरा मानना है कि इन्होंने ऐसे बाबाओं की एक फौज तैयार कर रखी होगी।

एक हिन्दू लड़की, जिसका मतांतरण के बाद आयत खान नाम रख दिया गया था, उसने बताया है कि ये लोग कहते थे कि 2047 में भारत को इस्लामिक मुल्क बना देंगे। उसे बताया गया कि तुम मुस्लिम बन गई हो, अब तुम्हें भी जन्नत मिल जाएगी। अभी इस मामले की बहुत पर्तें खुलनी है, लगता है कि ये मामला बहुत बड़ा है।

छांगुर बाबा के कई माफिया गिरोह के साथ मिलीभगत सामने आ रही है। वैसे भी इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी जमीनों पर कब्जा बिना माफिया की मदद के संभव नहीं लगता। हिन्दू समाज को इस मामले पर नजर रखनी होगी क्योंकि उसे धर्मनिरपेक्षता की भांग पिलाकर मूर्ख बनाया जा रहा है। कई मुस्लिम संगठन भारत को सुनियोजित तरीके से इस्लामिक देश बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। छांगुर बाबा अकेला नहीं हो सकता और न जाने कितने छांगुर बाबा हमारे देश में छुप कर इस काम में लगे हुए होंगे। केन्द्र सरकार को विपक्ष शासित राज्यों पर विशेष नजर रखने की जरूरत है क्योंकि मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण विपक्षी दलों की सरकारें ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही कभी नहीं करेंगी।

हमें समझना होगा कि लव जिहाद हमारे देश की सच्चाई है, इसे अनदेखा करना घातक साबित होगा। सब कुछ सरकार नहीं कर सकती, एक समाज के तौर पर हमें भी सतर्क रहना होगा। हिन्दू संगठनों को भी उन महिलाओं पर नजर रखने की जरूरत है, जो किसी कारण बेसहारा या गरीब हैं क्योंकि छांगुर जैसे गिद्ध मौके की तलाश में घूम रहे हैं।

एक सच यह भी सामने आया है कि धर्म परिवर्तन के काम में छांगुर बाबा की मदद वो मुस्लिम कर रहे थे, जिनका धर्म परिवर्तन करवाया गया था। सरकार को उन लोगों पर नजर रखने की जरूरत है जिन्होंने नया-नया धर्म परिवर्तन किया हो। देखा गया है कि धर्म परिवर्तन के काम में ये लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। यही लोग हैं जो अपना धर्म बदलने के बाद अन्य लोगों को धर्म बदलवाने की कोशिश ज्यादा करते हैं और कामयाब भी हो जाते हैं।

वाश्तव में उनकी हिन्दू समाज में रिश्तेदारी होती है तो ये दूसरों को आसानी से बहला लेते हैं। सवाल यह है कि यह तरीका सिर्फ मुस्लिम संगठनों द्वारा ही इश्तेमाल किया जा रहा है, जवाब नहीं है क्योंकि कुछ ऐसा तरीका ईसाई बनाने के लिए भी अपनाया जाता है। जब रेटलिस्ट बनाकर धर्मपरिवर्तन करवाया जा रहा हो तो बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। हिन्दू समाज को खुद से सवाल करना होगा कि वो कब तक धर्मनिरपेक्षता के नशे में डूबा रहेगा। धर्मनिरपेक्षता का ये मतलब नहीं होता कि अपना धर्म बर्बाद होते चुपचाप देखते रहो।

छांगुर बाबा मामले से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। एक समाज के रूप में हमें अपनी जिम्मेदारी समझने की जरूरत है क्योंकि इस देश में पैसे के लिए बिकने वाले लोग शासन-प्रशासन में बैठे हुए हैं। अंत में एक भूतपूर्व कर्मचारी होने के नाते कहना चाहूंगा कि पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, उसके सहारे सब कुछ नहीं छोड़ा जा सकता।

अमरीकी बिल : कर्ज लेकर कर रियायतें

डा. अश्विनी महाजन

इन दिनों अमरीका में एक बिल, जो चर्चा और विवाद दोनों में है, वो है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल, जिसे ओबीबीबीए भी कहा जाता है।

हालांकि यह बिल आखिरकार संसद द्वारा पारित होने का बाद राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित भी कर दिया गया है, लेकिन इस प्रक्रिया में, इस बिल ने एक दोश्ती को अवश्य तोड़ दिया है, जो हाल ही में सुर्खियों में थी, जहां एलन मस्क को राष्ट्रपति ट्रंप के लिए मंगलकारी मित्र के रूप में देखा जा रहा था, क्योंकि उन्होंने उन्हें राष्ट्रपति पद दिलाने में उनकी बड़ी भूमिका थी।

एलन मस्क तो इस कानून से इतने नाराज हैं कि उन्होंने एक नए राजनीतिक दल का गठन भी कर दिया है। जबकि राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि उनका बिल अमरीका में पहले से कहीं ज्यादा समृद्धि लाएगा और अमरीका को फिर से महान बनाने में मदद करेगा।

एलन मस्क सहित आलोचकों का मानना है कि यह बिल अमरीकी अर्थव्यवस्था के लिए कहर ढा सकता है।

कौन सही है और कौन गलत, इस पर कोई भी निर्णय देने से पहले, यह समझने की कोशिश करें कि इस बिल का क्या मतलब है। हालांकि, इस बिल से आने वाले दशक में संघीय घाटे में $3.3-3.9 ट्रिलियन की वृद्धि होने का अनुमान है। वर्तमान में, अमरीकी ऋण की स्थिति (2025 तक) यह है कि अमरीका का राष्ट्रीय ऋण $34 ट्रिलियन से अधिक है, जो कि उसके सकल घरेलू उत्पाद के 120 प्रतिशत से भी अधिक है, और एक विकसित देश के दृष्टिकोण से भी, बहुत अधिक है। यह स्पष्ट है कि अमरीका का संघीय ऋण पहले से ही बहुत अधिक है, और इस सीमा को बढ़ाने पर ब्याज व्यय अमरीका के लिए आर्थिक परिदृश्य को और खराब कर सकता है।

मौजूदा ऋण पर ब्याज भुगतान पहले से ही सबसे बड़ा संघीय व्यय है, जो रक्षा और स्वास्थ्य व्यय के लगभग बराबर है, आने वाले वर्षों में यह परिदृश्य और भी खराब हो सकता है। हालांकि, इस नए कानून से संघीय ऋण में एक बड़ी उछाल आएगी, लेकिन समय-समय पर बढ़ते ऋण के कारण, अमरीकियों को इसकी अनिवार्यता का एहसास हो गया है।

शायद, यही कारण है कि हालांकि, इसके प्रभाव से अवगत लोग तो चिंतित हैं, लेकिन आम जनता शायद नहीं है। इस कारण ट्रंप संसद और आम जनता के बीच भी बिल के लिए समर्थन हासिल करने में सफल हुए हैं। लेकिन बाजार डोनाल्ड ट्रंप के लिए इतने दयालु नहीं हैं, क्योंकि वे बढ़ते ऋणों से संभावित जोखिमों का संकेत दे रहे हैं।

अमरीकी सरकार के बांडों की यील्ड बढ़ रही है क्योंकि निवेशक ऋण रखने के लिए अधिक रिटर्न की मांग कर रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने सरकारी ऋण की यील्ड में वृद्धि होने पर राजकोषीय संकट की चेतावनी भी दी है। अगर अमरीका अपने कर्ज को नियंत्रित नहीं कर पाता है या विश्व में डॉलर में भरोसा कम हो जाता है, तो संकट बढ़ सकता है।

फिच जैसी रेटिंग एजेंसियों ने भी दीर्घकालिक राजकोषीय चुनौतियों का हवाला देते हुए अमरीकी क्रेडिट को डाउनग्रेड कर दिया है। एक अन्य प्रावधान है जो विवादास्पद रहा है, वो है स्वच्छ ऊर्जा कर क्रेडिट को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने का प्रावधान। स्वच्छ ऊर्जा कर क्रेडिट को राष्ट्रपति बिडेन के मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम (आईआरए) 2022 के तहत शामिल किया गया था।

इस मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई कर प्रोत्साहन शुरू किए थे, जिनमें सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कर, घरेलू ऊर्जा दक्षता उन्नयन सहित कई प्रकार के कर क्रेडिट शामिल हैं। ये क्रेडिट स्वच्छ प्रौद्योगिकी में निवेश को बढ़ावा देने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में संक्रमण को गति देने के लिए डिजाइन किए गए थे। नया कानून एक निश्चित समयावधि में, आमतौर पर 2 से 5 वर्षों में, इनमें से कई क्रेडिट को वापस कर देगा। इन टैक्स क्रेडिट को वापस लेने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि ये अनावश्यक रूप से सरकारी हश्तक्षेप और बाजार विकृति को बढ़ावा देते हैं। इन प्रोत्साहनों की लागत सैकड़ों अरबों डॉलर है और इससे राष्ट्रीय ऋण में वृद्धि होती है।

डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि जीवाश्म ईंधन और पारंपरिक उद्योगों को समान अवसर मिलना चाहिए। उनका कहना है कि ऊर्जा नीति को केवल कार्बन-मुक्ति पर नहीं, बल्कि सामर्थ्य और विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

विरोधियों का कहना है कि इन क्रेडिट को वापस लेने से स्वच्छ ऊर्जा की तैनाती धीमी हो जाएगी और जलवायु कार्रवाई कमोर हो जाएगी। यह कदम अक्षय अवसंरचना और घरेलू विनिर्माण में निजी निवेश को हतोत्साहित कर सकता है, जिससे पर्यावरण लक्ष्य और स्वच्छ तकनीक क्षेत्र में नौकरियां भी खतरे में पड़ सकती हैं। मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम से स्वच्छ ऊर्जा कर क्रेडिट को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करके, यह कानून अमरीकी ऊर्जा और जलवायु नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित करता है।

जहां भारत सहित पूरी दुनिया में सरकारें हरित ऊर्जा विश्तार को बढ़ावा देने हेतु बड़े प्रयास कर रही हैं, ट्रंप प्रशासन का यह कदम प्रतिगामी माना जा रहा है। नए कानून के तहत, संयुक्त राज्य अमरीका में रहने वाले व्यक्ति से देश के बाहर रहने वाले व्यक्ति को भेजे जाने वाले धन के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रेषण पर 1 फीसदी कर लगाया जाएगा। यह ध्यान देने योग्य है कि सदन के संस्करण में शुरू में तो 3.5 फीसदी कर का प्रश्ताव था, लेकिन सीनेट ने इसे कम कर दिया।

वन बिग ब्यूटीफुल बिल 119वीं अमरीकी कांग्रेस द्वारा पारित एक अमरीकी संघीय कानून है जिसमें कर और व्यय नीतियां शामिल हैं जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का मूल आधार हैं। इस विधेयक पर राष्ट्रपति ट्रंप ने 4 जुलाई 2025 को हश्ताक्षर किए थे। हालांकि इस कानून को लोकप्रिय रूप से वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट के रूप में जाना जाता है, लेकिन सीनेट संशोधन प्रक्रिया के दौरान इस आधिकारिक संक्षिप्त शीर्षक को विधेयक से हटा दिया गया था, और इसलिए इस कानून का आधिकारिक रूप से कोई संक्षिप्त शीर्षक नहीं है।

बिल में सैकड़ों प्रावधान हैं। यह ट्रंप द्वारा 2017 में हश्ताक्षरित व्यक्तिगत कर दरों को स्थायी रूप से बढ़ाता है, जो मूल रूप से 2025 के अंत में समाप्त होने वाले थे। यह $500000 से कम कमाने वाले करदाताओं के लिए राज्य और स्थानीय कर कटौती की सीमा को डालर 40000 तक बढ़ाता है, पांच वर्षों के बाद यह सीमा वापस 10000 डालर हो जाएगी।

बिल में टिप्स, ओवरटाइम वेतन, ऑटो ऋण के लिए कई अस्थायी कर कटौती भी शामिल हैं, और ट्रंप खाते बनाता है, जिससे माता-पिता अपने बच्चों के लाभ के लिए कर स्थगित खाते बना सकते हैं, जो सभी 2028 में समाप्त होने वाले हैं। इसमें बाल कर क्रेडिट में $200 की स्थायी वृद्धि, प्रेषण पर 1 फीसदी कर और कॉलेज बंदोबश्ती से निवेश आय पर कर वृद्धि भी शामिल है।

यह उन्नत सेमीकंडक्टर विनिर्माण के लिए कर क्रेडिट बढ़ाता है और साइलेंसर पर कर को निरश्त करता है। यह ऋण सीमा को $5 ट्रिलियन तक बढ़ाता है।

यह मेडिकेड खर्च में 12 फीसदी की महत्वपूर्ण कटौती करता है। ओबीबीबीए एसएनएपी लाभ (जिसे पहले फूड स्टैम्प कहा जाता था) प्राप्तकर्ताओं के लिए कार्य आवश्यकताओं का विस्तार करता है और राज्यों को खाद्य सहायता कार्यक्रम से संबंधित कुछ लागतों के लिए जिम्मेदार बनाता है।

ओबीबीबीए में नए रक्षा खर्च में 150 बिलियन डॉलर और सीमा प्रवर्तन और निर्वासन के लिए 150 बिलियन डॉलर शामिल हैं। बिल 2029 तक आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के लिए फंडिंग को 10 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 100 बिलियन डॉलर से अधिक कर देता है।

(लेखक कालेज के पूर्व एसोशिएट प्रोफेसर है)

भारतीय चुनावी लोकतंत्र की रीढ़ है-अनुच्छेद 326

सुनील कुमार महला

हाल ही में बिहार वोटर लिस्ट रिवीजन में एक बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वोटर लिस्ट में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोगों के नाम पाए गए हैं। पाठकों को बताता चलूं कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान निर्वाचन आयोग में उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, बिहार में एसआईआर के दौरान घर-घर जाकर(डोर टू डोर कैंपेन) किए गए दौरे में बूथ लेवल अफसरों यानी बीएलओ को नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध रूप से आए लोग बड़ी संख्या में मिले हैं।

इधर, विपक्षी दलों ने आयोग के इस दावे को लेकर सवाल उठाए हैं। वोटर लिस्ट के संदर्भ में अधिकारियों ने यह बात कही है कि पाए गए सभी संदिग्ध नामों की पूरी जांच की जा रही है तथा, जो लोग भारतीय नागरिक नहीं पाए जाएंगे, उनके नाम 30 सितंबर को जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। चुनाव आयोग के निर्देश पर बिहार में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन कर रहे हैं। वाशतव में यह बहुत ही चिंताजनक बात है कि बिहार वोटर लिस्ट में दूसरे देशों के प्रवासियों के नाम मिले हैं। वाशतव में होना तो यह चाहिए कि कोई भी अवैध प्रवासी सूची में न रह जाए, क्यों कि इससे चुनाव प्रभावित हो सकते हैं।

यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है कि अवैध प्रवासियों की संख्या लाखों में बताई जा रही है। बताया जा रहा है आयोग ने ऐसे अवैध प्रवासियों की जांच के लिए 01 से 30 अगश्त के बीच विशेष अभियान चलाने की तैयारी भी शुरू कर दी है, यह अच्छी बात है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अनुच्छेद 326, (भारतीय संविधान 1950) के मुताबिक लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे।

अर्थात, प्रत्येक व्यक्ति जो भारत का नागरिक है और जो ऐसी तारीख को, जो समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, इक्कीस वर्ष से कम आयु का नहीं है और जो इस संविधान या समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन गैर-निवास, मानसिक विकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं है, ऐसे किसी चुनाव में मतदाता के रूप में पंजीकृत होने का हकदार होगा।

वाशतव में, संविधान के अनुच्छेद -326 के तहत सिर्फ भारतीय नागरिक ही मतदाता बन सकता है और आयोग के पास इसे जांचने का अधिकार है। यदि वह किसी व्यक्ति के दावे संतुष्ट नहीं होता है, तो वह उसे मतदाता बनने से रोक सकता है या फिर उसे मतदाता सूची से बाहर कर सकता है।

इधर, आयोग के दावे पर बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने तीखे तेवर अपनाते हुए यह बात कही है कि सूत्रों की बजाय आयोग के अधिकारियों को सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर एक फीसदी मतदाताओं का भी नाम कट जाए तो उससे नतीजों पर अंतर होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार बिहार में सात करोड़ 90 लाख मतदाता हैं और इनमें यदि अवैध वोटर मिले हैं, तो वाकई यह बहुत ही गंभीर बात है।

यदि किसी व्यक्ति नाम 1 अगश्त को जारी होने वाली मतदाताओं की ड्राफ्ट (अस्थायी) लिस्ट में शामिल नहीं होता है, तो वह व्यक्ति विशेष आवश्यक दशतावेजों के साथ पहले मतदान पंजीकरण अधिकारी (इआरओ) के पास आवेदन कर सकते हैं और यदि वहां से भी कोई समाधान नहीं मिलता है, तो वह व्यक्ति विशेष जिला निर्वाचन अधिकारी (डीइओ) और फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीइओ) के पास अपील कर सकता है।

आवश्यक दशतावेजों में क्रमशः मान्यता प्राप्त बोर्ड या विवि द्वारा निर्गत शैक्षिक प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी), पासपोर्ट राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकार द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर, बैंक, डाकघर, एलआईसी आदि द्वारा 1 जुलाई 1987 के पूर्व निर्गत किया गया कोई भी प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी कर्मियों का पहचान पत्र, स्थाई निवास प्रमाण पत्र सरकार की कोई भी भूमि या मकान आवंटन का प्रमाण पत्र अथवा सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र आदि शामिल हैं।

बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि उक्त संदर्भ में मामला माननीय सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 28 जुलाई को बिहार से संबंधित याचिका पर दोबारा सुनवाई होनी है तथा इसके बाद देशव्यापी पुनरीक्षण अभियान पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

दरअसल, कुछ विपक्षी दलों और नागरिक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। इस संबंध में उनका यह कहना है कि इससे पात्र नागरिकों को मताधिकार से वंचित किया जा सकता है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि पूरे देश में अगश्त माह से मतदाता सूची की जांच शुरू होगी। जानकारी के अनुसार बिहार के बाद चुनाव आयोग देशभर में यह प्रक्रिया शुरू करेगा। आयोग ने अगश्त से एसआईआर(विशेष गहन पुनरीक्षण) की तैयारी के निर्देश दिए हैं।

इससे यह सामने आ सकेगा कि कोई अवैध प्रवासियों ने तो मतदाता सूचियों में अपने नाम नहीं शामिल करवा लिए हैं। पाठकों को विदित ही होगा कि बिहार में कुछ समय बाद इस साल यानी कि 2025 में ही विधानसभा चुनाव होने हैं। वहीं, असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव निर्धारित हैं।

इन राज्यों में विदेशी नागरिकों की घुसपैठ और अवैध निवास लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। हाल ही में देश के कई राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार के अवैध प्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया गया है।

ऐसे में मतदाता सूचियों में सुधार को लेकर चुनाव आयोग का यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि, इधर आधार कार्ड और राशन कार्ड को भी स्वीकार्य दशतावेजों की सूची में शामिल किए जाने की मांग की जा रही है।

वाशतव में, इन दशतावेजों को उन मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाना है, जिनके नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, जब आखिरी बार मतदाता सूची की वेटिंग (पुनरीक्षण) का कार्य किया गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक अगश्त 2025 को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होगी तथा इसमें वही नाम शामिल किए जाएंगे, जिनके फॉर्म 25 जुलाई तक जमा हो जाएंगे।

एक अगश्त से एक सितंबर तक लोग अपने नाम जोड़ने या आपत्ति दर्ज करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आयोग की ओर से अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। सबसे अच्छी बात यह है कि राजनीतिक दलों को भी तैयार की गई ड्राफ्ट सूची दी जाएगी और इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा, जो पारदर्शिता दिखाएगी।

हालांकि, राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने यह दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण(वेटिंग) का कार्य एक असंवैधानिक कदम है, जिसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि बहुसंख्यक समुदाय के हित में काम करने वाली सरकारें सत्ता में किसी भी तरह से बनी रहें। इधर, मतदाता सूची पुनरीक्षण(वेटिंग) के मसले पर 'इंडिया गठबंधन' ने जिला से लेकर प्रखंड और गांव श्तर तक लोगों को जमीनी हकीकत बताने का निर्णय लिया है।

अंत में यही कहूंगा कि जो भी हो पूरे देश में मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण समय-समय पर किया जाना चाहिए, जिससे यह पता चल सके कि भारत की मतदाता प्रणाली में केवल पात्र नागरिकों को ही मतदान का अधिकार मिले। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 326 भारत के चुनावी लोकतंत्र की रीढ़ है, जो यह सुनिश्चित करता है कि शासन जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता का बना रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेलः todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-UPHIN/2009/30721**

हल्दौर कॉलेज ऑफ फार्मेसी का D. Pharm परिणाम घोषित, परीक्षार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। 14 जुलाई को डिप्लोमा इन फार्मेसी (D. Pharm) प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।, जिसमें हल्दौर कॉलेज ऑफ फार्मेसी के परीक्षार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर कॉलेज व अपने माता पिता का नाम रोशन किया। प्रथम वर्ष में प्रेरक त्यागी ने 72 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। पुष्पराज ने 68.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि राहुल कुमार 68.2 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वहीँ द्वितीय वर्ष में शैली त्यागी ने 69 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। प्रशांत कुमार ने 68 प्रतिशत और खुशबू ने 65 प्रतिशत अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के प्राचार्य गीतांशु चौधरी द्वारा सभी सफल परीक्षार्थियों को बधाई दी गयी और कहा कि यह परिणाम उनकी कठिन मेहनत और नियमित अध्ययन का प्रतिफल है। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की। कॉलेज के निदेशक डॉ. अनुज कुमार ने भी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे संस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य में सभी छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में नहटोर ब्लॉक का दबदबा, 11 मॉडल झटके

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। जिला शतरीय बालक वर्ग ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन जिला खेल अधिकारी राजकुमार की देखरेख में नेहरू स्टेडियम बिजनौर में किया गया। जिसमें नहटौर क्षेत्र से विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर 11 मेडल प्राप्त किये। एसएनएसएम इंटर कॉलेज से आयुष्य सैनी गोल्ड मेडल, अनस सिल्वर मेडल, यश सैनी ब्रॉन्ज मेडल, एम टीसीए कॉन्वेंट स्कूल से फैज अंसारी ब्रॉन्ज मेडल, याहिया ब्रॉज मेडल, बलराम कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से शिवा सिंह गोल्ड मेडल, वेदांश शर्मा सिल्वर मेडल, साई इंटरनेशनल से देव राजपूत गोल्ड मेडल, एबीवीपी से मोहम्मद उमेर गोल्ड मेडल, एसवी पब्लिक स्कूल से मयंक बाबू ब्रॉन्ज मेडल, जीटीए से अर्श उस्मानी सिल्वर मेडल प्राप्त किया। एसएनएसएम इंटर कॉलेज नहटौर के प्रबंधक महोदय दर्पण त्यागी, एम टीसीए कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक अशफाक अहमद सिद्दीकी, बलराम कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेंद्र शर्मा, जिला बिजनौर ताइक्वांडो श्रृंगार सचिव राजू राजपूत तथा नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच चमन सैनी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

शराबी ने रविदास मंदिर में खड़े होकर किया पेशाब, ग्रामीण ने की कार्रवाई की मांग

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने रविदास मंदिर में खड़े होकर पेशाब कर दिया। व्यक्ति के पेशाब करने की वीडियो वायरल होने पर ग्रामीणों में उक्त व्यक्ति खिलाफ आक्रोश फैल गया। लोगों ने उक्त व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक व्यक्ति नशे में धुत होकर रविदास मंदिर के अंदर पहुंचा और रविदास मंदिर में खड़े होकर पेशाब किया। वीडियो थाना नहटौर क्षेत्र के एक गांव का बताया जाता है मामले की जानकारी होने पर ग्रामीणों में उक्त व्यक्ति के खिलाफ आक्रोश फैल गया। लोगों का कहना है कि उक्त व्यक्ति द्वारा मंदिर के अंदर खड़ा होकर पेशाब करना मंदिर में आस्था रखने वाले लोगों के धर्म के प्रति आस्था से खिलवाड़ किया गया है। जिसे लेकर ग्रामीण व आसपास के क्षेत्र में उक्त व्यक्ति के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों व गणमान्य लोगों ने प्रशासन से वीडियो का संज्ञान लेते हुए उक्त व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के विरूद्ध मुकदमा दर्जकर चालान कर दिया गया है।

भारतीय किसान यूनियन टिकेत ग्रुप ने विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। भारतीय किसान यूनियन की मासिक बैठक तहसील में हुई, जिसमें किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई तथा उप जिलाधिकारी नगीना को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उप जिलाधिकारी कोअवगत कराते हुए लिखा गया कि तहसील में व्यापक रूप से भ्रष्टाचार चल रहा है जैसे चक मार्ग बंद पड़े हुए हैं किसान परेशान है। विरासत का ना होना खतौनी में नाम गलत होना किसानों नेलाइव तालुका बिना पैसे लिए काम नही करना तथा आवारा पशुओं द्वारा फसलों का नुकसान होना आवारापशुओं को पकड़ कर गौशाला में छुड़वाया जाए ट्रैफिक पुलिस द्वारा अवैध वसूली करना आदि पर अंकुश लगाया जाए अन्यथा भारतीय किसान यूनियन टिकट 23 जुलाई के बादकभी भी बड़े आंदोलन के लिए दिवस होना पड़ेगा। जिसकी जिम्मेदारीशासन प्रशासन की होगी। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष डॉ धर्मवीर, ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी बलजीत, राहुल, महेंद्र प्रधान, शाहिद मंसूरी, मुर्तजा, गफ्फार साहब राम भजन सिंह, महेश प्रधान अब्दुल शामी, इमामुद्दीन, बिजेंदर, अर्जुन, सतीश चौहान आदि शामिल रहे।

सीएम योगी ने कौशल मेले का किया शुभारंभ, बोले- स्केल को स्किल में बदलने के किए जा रहे प्रयास

लखनऊ, एजेंसी। विश्व युवा कौशल दिवस पर लखनऊ में कौशल मेले का आयोजन किया गया। सीएम योगी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर 15 यूथ आइकन को सम्मानित किया गया।

राजधानी लखनऊ में मंगलवार को विश्व युवा कौशल दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पर कौशल मेले का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह आयोजन प्रदेश के 75 जिलों से कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों में एआई नवाचार से जुड़े प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंडस्ट्री पार्टनर को सम्मानित किया गया। 262 राजकीय आईटीआई को अपग्रेड करने के लिए टाटा के सुशील कुमार समेत कई ट्रेनिंग पार्टनर को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कार्य और मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है। हमारे पास स्केल है, लेकिन उसे स्किल में बदलने के लिए ये सभी प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश सरकार दो करोड़ युवाओं को सक्षम बनाने के लिए स्मार्ट फोन और टैबलेट उपलब्ध करा रही है।

युवा नौकरी लेने वाला ही नहीं देने वाला भी बने कार्यक्रम में संबोधित करते हुए व्यावसायिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि सीएम युवा आइकन हैं। उनका आगमन हमें ऊर्जा देगा। पीएम मोदी और सीएम योगी का सपना है कि युवा कैसे कुशल हो? नौकरी लेने वाला ही नहीं देने वाला भी बने। युवाओं के बिना 10 खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाना संभव नहीं है। आईटीआई को पहले तबेले में तब्दील कर दिया था। ट्रेनिंग नहीं होती थी। सीएम के नेतृत्व में सुधार किया गया।

60 आईटीआई को बेहतर किया गया। टाटा के सहयोग से आठ हजार करोड़ लगाकर 212 आईटीआई को अपग्रेड कर रहे हैं। अत्याधुनिक क्षेत्र में प्रशिक्षण दे रहे हैं। युवाओं को ट्रेनिंग देकर इंडस्ट्री में भी भेज रहे हैं। स्वरोजगार योजना में पांच लाख तक का ऋण दे रहे हैं भवनों को बेहतर किया गया है। प्रदेश के किसी भी आईटीआई में नई तकनीकी के साथ काम करते हुए मिलेंगे। पांच जिले में टाटा के सहयोग से इनक्यूबेशन सेंटर बनने हैं। इसमें एक मुजफ्फरनगर में भी है। आईटीओटी में आधा दर्जन नए ट्रेड में प्रशिक्षण दे रहे हैं। सीएम स्वरोजगार योजना में पांच लाख तक का ऋण दे रहे हैं।

600 इंटर कॉलेज में प्रोजेक्ट प्रवीण चल रहा है। आईटीआई करने वाले युवा प्रशिक्षण के बाद बेरोजगार नहीं रहेंगे। इस मौके पर ये लोग मौजूद रहेः इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, MSME मंत्री राकेश सचान, राज्यमंत्री मन्नू कोरी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी, कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीलीभीत में ससुरालवालों ने दामाद को दी तालिबानी सजा, पहले बेल्ट से पीटा... फिर पेड़ से बांधा

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत के अमरिया क्षेत्र में ससुराल पहुंचे दामाद को ससुरालवालों ने बेरहमी से पीटा। इसका वीडियो वायरल हुआ है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक शख्स को बेरहमी से पीटा गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक मौलाना व उसके परिवार के लोग शख्स को जमीन पर गिराकर पीटते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगता है, लेकिन आरोपी उस पर तरस नहीं खाते। पीड़ित का नाम मोहम्मद यामीन है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामला अमरिया थाना क्षेत्र के बरा मझलिया गांव का बताया जा रहा है। पीड़ित शख्स को पीटने वाले उसके ससुर व ससुरालवाले बताए गए हैं।

बताया गया है कि पीड़ित शख्स के नशे का आदी है। इसके कारण उसकी पत्नी परेशान रहती है। इस पर ससुरालवालों ने दामाद को घर बुलाकर बेल्ट से बेरहमी से पीटा। उसको पेड़ से बांधकर भी पीटा गया। चार मिनट के वीडियो में ससुराल पक्ष की तालिबानी सजा साफ दिख रही है। फिलहाल मामले में कोई शिकायत नहीं की गई है।

छापेमारी में बड़ा खुलासा राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने के नाम पर मची थी लूट

लखनऊ, एजेंसी। राजनीतिक पार्टियों को चंदा देने के नाम पर फर्जी तरीके से टैक्स छूट लेने वालों के 200 ठिकानों पर आयकर की टीम ने छापेमारी की। आयकर विभाग ने सोमवार को आयकर रिटर्न (आईटीआर) में कटौती और छूट के फर्जीवाड़े में शामिल नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए यूपी समेत कई राज्यों में 200 ठिकानों पर छापे मारे। छापे के दौरान कर छूट के फर्जीवाड़े में बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी), सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, कई सरकारी निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्यमों से जुड़े शीर्ष अधिकारी व कर्मचारी शामिल पाए गए।

आयकर विभाग ने यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, वाराणसी, अमरोहा, मुरादाबाद, गोंडा और सुल्तानपुर में छापे मारे। अधिकतर कार्रवाई विचौलियों, टैक्स अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों पर की गईं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आयकर विभाग ने विभिन्न राज्यों में कई कार्यालयों और घरों पर छापे मारे। यह कार्रवाई कई स्रोतों और जमीनी स्तर से जुटाई गई खुफिया जानकारी मिलने के बाद की गई। इस अभियान को उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई उपकरणों से हासिल वित्तीय आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद अंजाम दिया गया। चोरी, छूट धोखाधड़ी के दावों का खुलासा केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि हाल ही में विभाग की ओर से महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, पंजाब व मध्य प्रदेश में की गई तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान विभिन्न समूहों व

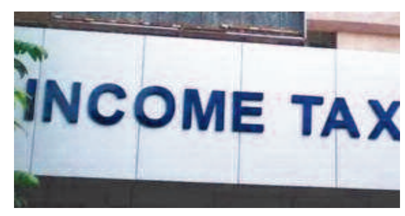

संस्थाओं की ओर से कर चोरी, छूट धोखाधड़ी के दावों का खुलासा हुआ। जांच में कुछ आईटीआर तैयार करने वालों और बिचौलियों की ओर से संचालित संगठित रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। जिन्होंने फर्जी कटौती और छूट का दावा करते हुए रिटर्न दाखिल किए। कुछ लोग अत्यधिक रिफंड का दावा करने के लिए झूठे टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) रिटर्न भी जमा करते पाए गए। राजनीतिक दलों को चंदे समेत विभिन्न मदों में कटौती के नाम पर फर्जीवाड़ाबोर्ड ने कहा, जांच में मकान किराये भत्ते के तहत छूट, राजनीतिक दलों को दिए गए चंदे, शिक्षा ऋण पर ब्याज, चिकित्सा बीमा, आवास ऋण पर ब्याज और इलेक्ट्रिक वाहन के नाम पर फर्जी कटौती का फर्जीवाड़ा सामने आया। इसके अलावा धर्मार्थ या अनुसंधान संगठनों को दान और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए उपलब्ध छूट में बड़े पैमाने पर दुरुपयोग का खुलासा हुआ।

सुल्तानपुर में शिक्षकों से पूछताछ, गोंडा में भी छापा आयकर विभाग की टीम ने सुल्तानपुर के प्राथमिक शिक्षक राम जनम यादव को पकड़ा। इसके बाद कूरेभार ब्लॉक में कार्यरत शिक्षिका विमलेश को भी पूछताछ के लिए ले गई। दोनों से मोलनापुर में राम जनम के घर पर करीब आठ घंटे पूछताछ हुई। सूत्रों के अनुसार इस दौरान घर से आयकर रिटर्न दाखिल कराने के फर्जी कागजात भी मिले हैं। पता चला है कि शिक्षक करीब दो दशक से रिटर्न दाखिल करने वालों से सौदेबाजी करके फर्जी रिटर्न दाखिल कराकर कटौती की धनराशि वापस दिलाता था। वहीं, गोंडा में बेलसर रोड स्थित पूरे शिवा बख्तावर में इनकम टैक्स व जीएसटी के वकील के कार्यालय में 15 घंटे तक पड़ताल की गई।

मुकदमा वापस न हुआ तो होगा आंदोलन, सफाई कर्मियों ने दिया एसीएम को ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बीते दिनों नगर स्वास्थ्य अधिकारी के साथ हुई मारपीट के मामले में अब सफाई यूनियन के पदाधिकारियों ने मुकदमा वापस लेने की मांग तेज कर दी। सफाई यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप भंडारी और महामंत्री सुनील टुंडा के साथ सफाई कर्मियों ने एसीएम को ज्ञापन सौंपा। जिलाधिकारी के नाम दिए गए इस ज्ञापन में सफाई कर्मचारियों के ऊपर दर्ज हुए मुकदमे को वापस लेने की मांग की गई है।

इसके साथ ही जिन कर्मचारियों की सेवा समाप्ति हुई है, उनको भी बहाल करने की मांग उठाई जा रही है। जिसके बाद उन्हें आश्वासन दिया गया है कि इस मामले का हल निकाला जाएगा। नगर निगम सफाई मजदूर संघ के तत्वावधान में जवाहर भवन में एक दिवसीय धरना दिया गया। जिसमें नगर स्वास्थ्य अधिकारी के साथ हुई घटना पर खेद प्रकट किया गया और कहा गया कि भविष्य में दोबारा ऐसी घटना न हो। इसके बाद सभी कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है।

सुकमा कंपनी के सफाई कर्मचारियों ने वेतन कटौती के विरोध में 12 जुलाई को सासनी गेट चौराहे पर धरना प्रदर्शन किया था। सफाई कर्मियों ने रोड जाम कर दिया था और नारेबाजी कर रहे थे। इस दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार उन्हें समझाने पहुंचे थे। सफाई कर्मियों से बातचीत के दौरान कुछ कर्मचारियों ने उनके साथ मारपीट की थी।

पहले उन्हें थप्पड़ मारे थे, फिर झाड़ू से दौड़ाकर पीटा था। इसके बाद नगर आयुक्त के निर्देश के बाद 6 कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी गई थी और 4 आरोपियों के खिलाफ मारपीट के मामले में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। सफाई यूनियन के महामंत्री सुनील टुंडा ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान जो भी हुआ, वह गलत हुआ था। कर्मचारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी को पहचानते नहीं थे और इसी कारण से उनके साथ बदसलूकी हो गई। इस मामले में यूनियन ने अधिकारियों से मिलकर माफी भी मांगी है। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त से मिलकर उन्होंने बात करी है कि दोबारा ऐसा नहीं होगा।

इसके साथ ही आरोपियों की तरफ से खुद माफी मांगी है कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस लिया जाए। लेकिन अधिकारियों ने बताया कि मामला गंभीर धाराओं में दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। यूनियन के अध्यक्ष प्रदीप भंडारी ने बताया कि कर्मचारियों के ऊपर लगे मुकदमें को वापस लिया जाना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों से मांग की जा रही है। अगर मुकदमा वापस नहीं हुआ तो समाज का साथ देते हुए आंदोलन किया जाएगा और सभी 90 वार्डों की सफाई व्यवस्था को रोक दिया जाएगा।

पंचायत चुनाव को मतदाता सूची का पुनरीक्षण 14 से

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण अभियान 14 अगस्त से शुरू किया जाएगा। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

डीएम संजीव रंजन ने अभियान के लिए एडीएम प्रशासन पंकज कुमार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नामित कर दिया है।

सभी 5 तहसील के एसडीएम सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व तहसीलदार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नामित किए गए है।

वहीं सभी खंड विकास अधिकारियों को समन्वयक अधिकारी व सहायक विकास अधिकारी को सहायक समन्वयक अधिकारी बनाया है।

छांगुर पर खुला एक और राज

गुर्गों की ट्रेनिंग के लिए दुबई से बुलाता था ट्रेनर

बलरामपुर, एजेंसी। जमालुद्दीन उर्फ छांगुर पीर को लेकर एक और राज खुला है। छांगुर धर्मांतरण के लिए गुर्गों की ट्रेनिंग दिलवाने के लिए दुबई से कट्टर मौलाना बुलाता था। कट्टर मौलाना गुर्गों को ट्रेनिंग देते थे।

छांगुर ने किलेनुमा कोठी के प्रथम तल पर तहखाने की तरह कक्ष बनवाए थे। अवैध धर्मांतरण के आरोप में एटीएस की ओर से गिरफ्तार किए गए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर पीर अपने गुर्गों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए दुबई से कट्टर मौलाना बुलाता था। उनके साथ नेपाल में सक्रिय दावत-ए-इस्लामी की टीम भी होती थी। प्रशिक्षण के लिए ही उसने दो आलीशान कोठियों का निर्माण कराया था, जिसमें तहखाने की तरह कक्ष बनाए गए थे। मुहिम को अंजाम देने के लिए प्रदेश के कट्टर नामी मौलाना से संपर्क भी साधा था। आने वाले दिनों में कोठी के 20 कक्षों में नियमित तकरीर कराने की तैयारी थी। छांगुर ने हिंदू श्रमिकों और गरीब परिवारों को पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन करने की मुहिम का मजबूत जाल बुना था। शिजर- ए- तयब्बा किताब भी इसी उद्देश्य से लिखी गई थी, जिससे लोग आसानी से इस्लाम को समझ सकें और दुनिया के सबसे बड़े धर्म के रूप में मान सकें।

अगली कड़ी में हिंदू देवी-देवताओं के प्रति कैसे घृणा भरी जाए और वेशभूषा कैसी हो, इसकी समझ को विकसित करने की तैयारी थी। मधपुर में कोठी का निर्माण वर्ष 2022 में शुरू हुआ था, अभी निर्माण पूरी तरह हो नहीं सका था।

अब मोबाइल एप पर मिलेगी काशी के घाटों की पूरी जानकारी

लखनऊ, एजेंसी। काशी के घाटों की पूरी जानकारी अब मोबाइल एप पर मिलेगी। 84 घाटों के लिए जीपीएस युक्त ऑडियो बुक विकसित की जा रही है। पर्यटकों को हिंदी, अंग्रेजी के साथ-साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं में जानकारी मिल सकेगी। उत्तर प्रदेश में पर्यटन विभाग वाराणसी आने वाले पर्यटकों के अनुभव को और बेहतर बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत काशी के सभी 84 घाटों के लिए एक जीपीएस युक्त ऑडियो बुक विकसित की जा रही है। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस ऑडियो बुक के माध्यम से पर्यटक काशी के घाटों की ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक महत्ता को चलते-फिरते सुन सकेंगे। यह जानकारी हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं में दी जाएगी। यह ऑडियो बुक प्रदेश पर्यटन के मौजूदा मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत होगी। उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग करने के लिए अलग से एप डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे जीपीएस के जरिये या मैनुअल चयन से स्थान-विशेष की ऑडियो जानकारी सुन सकेंगे। इससे तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, नाव यात्रियों और घर से काशी की सैर कर रहे लोगों को भी लाभ मिलेगा।

मेरे पैसों से मेरे लिए कफन लाना...सिंदूर अपने पैसों से, अंजली ने नोट में लिखा आपकी खुशी में ही मेरी खुशी

लखीमपुर खीरी, एजेंसी। लखीमपुर खीरी में दो बच्चों की मां ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। महिला ने तीन पेज का सुसाइड नोट लिखा है। पति और परिवार के साथ रिश्तेदारों के लिए भी बातें लिखी गई हैं। अपने आखिरी पत्र में महिला अंजलि का लिखा एक-एक शब्द उसकी पीड़ा बयां कर रहा है। लखीमपुर खीरी की सदर कोतवाली के मोहल्ला कमलापुर निवासी विवाहिता ने जहर खाकर जान दे दी। विवाहिता रविवार की दोपहर ही अपने दोनों बच्चों के साथ मायके से ससुराल लौटी थी। विवाहिता की हालत बिगड़ते देख परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया।

लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। विवाहिता के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कमलापुर निवासी संगम की पत्नी अंजली (22) ने रविवार की दोपहर जहर खा लिया। आत्महत्या के पीछे कारण, ससुरालियों के बीच की अनबन बताई जा रही है। विवाहिता ने सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें उसने पुलिस से किसी पर कोई कार्रवाई न करने की बात लिखी है। जहरीला पदार्थ खाने की जानकारी होने पर परिजन ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने अंजली को लखनऊ रेफर कर दिया, जहां रविवार देर रात तीन बजे अंजली ने दम तोड़ दिया। इस बात की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी तो पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजवा दिया। वहीं मायके पक्ष का आरोप है कि विवाहिता को ससुरालियों ने जबरन जहरीला पदार्थ खिला दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी इस मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई है।

सुसाइड नोट में लिखा- आप मुझे समझ ही नहीं पाए... बस इतनी शिकायत है.:मृतका के पास मिला सुसाइड नोट उसके जीवन का दर्द बयां कर रहा है। विवाहिता ने सुसाइड नोट में अपने पति के लिए लिखा है कि...आप मुझे समझ ही नहीं पाए...बस इतनी शिकायत है। मेरे मरने के बाद मेरे बच्चों को घर और जमीन में हिस्सा जरूर देना।

मैं गलत हूं, इसके लिए सभी से माफी मांगती हूं। सुसाइड नोट में लिखा एक-एक शब्द विवाहिता अंजलि की पीड़ा को बयां कर रहा है। सुसाइड नोट में अंजलि ने यह भी लिखा है कि मेरे पैसों से मेरे लिए कफन लाना, वहीं सिंदूर अपने पैसों से लाना। पति के लिए दो टूक भाषा का प्रयोग करते हुए लिखा है कि आपकी खुशी में ही मेरी खुशी है।

मेरे जाने के बाद संगम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा.: तीन अलग-अलग पेज पर विवाहिता ने हर पन्ने पर अपने पति संगम का जिक्र किया है। उसने लिखा है कि हम अपनी मर्जी से संगम को छोड़ रहे हैं। इसमें किसी की कोई गलती नहीं है। मेरे जाने के बाद संगम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अंजली ने दूसरी शादी करने की भी बात लिखी है।

आप मुझे समझ नहीं पाए मैं सिर्फ ज्यादा बोलती थी..

अंजली ने लिखा है कि संगम आप हमेशा कहते हैं कि मेरी जिंदगी बर्बाद हो गई, लो अब बर्बाद नहीं होगी। उसने अपने रिश्तेदारों के नाम लिखते हुए सभी से माफी मांगी है। लिखा है कि आप मुझे समझ नहीं पाए मैं सिर्फ ज्यादा बोलती थी, ज्यादा बर्दाश्त नहीं करती थी।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर, एजेंसी। जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3:30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से टर्बन्ड टॉरनेडोकहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु-वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में बाप के बाद अब बेटा मचाएगा गदर

ट्रिपल एच कर रहे खास अंधा सपोर्ट

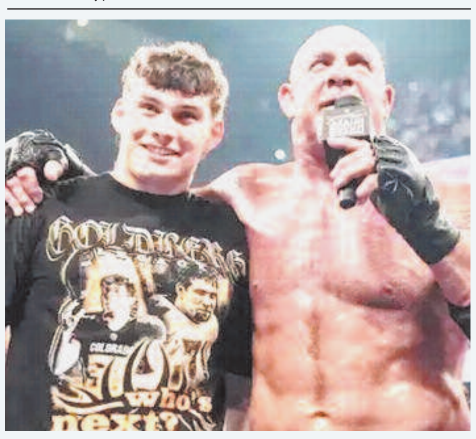

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई में बाप-बेटों की जोड़ियों में हमेशा से कमाल किया है। रे मिस्टीरियो और डोमिनिक मिस्टीरियो इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। इसी तरह डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैंस के लिए एक बड़ी खबर है। बिल गोल्डबर्ग के बेटे, गेज गोल्डबर्ग, भी डब्ल्यूडब्ल्यूई में आ सकते हैं। ट्रिपल एच, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई के चीफ कंटेंट ऑफिसर हैं। उन्होंने गेज के भविष्य के बारे में बात की है। उन्होंने 14 जुलाई, 2025 को डब्ल्यूडब्ल्यूई इवोल्यूशन के एक कार्यक्रम में यह बात कही। ट्रिपल एच का मानना है कि गेज को रेसलिंग में दिलचस्पी हो सकती है। अगर गेज का फुटबॉल करियर सफल नहीं होता है, तो वह डब्ल्यूडब्ल्यूई में खेल सकते हैं। गेज ने अपने पिता का आखिरी मैच गुंथर के खिलाफ 13 जुलाई, 2025 को सैटरडे नाइट मेन इवेंट में देखा था। ट्रिपल एच ने कहा कि गेज को रेसलिंग के प्रति जुनून है।

फैन यह जानकर उत्साहित हैं कि गेज ने रेसलिंग को एक विकल्प के रूप में सोचा है। गेज का पहले भी डब्ल्यूडब्ल्यूई से नाता रहा है। 2021 में बॉबी लैश्ले के साथ उनकी बहस हुई थी। ट्रिपल एच ने कहा कि डब्ल्यूडब्ल्यूई गेज पर नजर रख रहा है। अगर गेज रेसलिंग में आना चाहते हैं, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई उनका स्वागत करेगा। फैंस यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि क्या वह अपने पिता के नक्शेकदम पर चलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती सीरीज

वेस्टइंडीज के नाम टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 176 रन से गंवा बैठी। जमैका में मेजबान टीम को जीत के लिए महज 204 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज सिर्फ 27 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। यह टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर है।

इससे पहले, मार्च 1955 में न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ढेर हो चुकी है। बात अगर वेस्टइंडीज की करें, तो इससे पहले यह टीम मार्च 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 47 रन पर सिमट चुकी है। वेस्टइंडीज की इस पारी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक चटकाई। उन्होंने 14वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर जस्टिन ग्रीव्?स, शमर जोसेफ और जोमेल वारिकन को

अपना शिकार बनाया। इसी के साथ स्कॉट बोलैंड टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले 10वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। वह पिंक बॉल टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम महज 225 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में वेस्टइंडीज अपनी पहली पारी में महज 143 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में महज 121 रन ही जुटा सकी। वेस्टइंडीज की ओर से इस पारी में शमर जोसेफ ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि अल्जारी जोसेफ को पांच विकेट हाथ लगे। सिर्फ 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 27 रन ही बना सकी।

इस पारी में जस्टिन ग्रीव्स दहाई का आंकड़ा छूने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया की और से इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7.3 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 9 रन देकर सर्वाधिक छह विकेट चटकाए। वहीं, स्कॉट बोलैंड ने दो ओवरों में महज दो रन देकर तीन शिकार किए। शेष एक विकेट जोश हेजलवुड के हाथ लगा।

ओलंपिक 2028:

क्रिकेट का शेड्यूल आया सामने, 6 टीमें लेंगी हिस्सा, टी-20 फॉर्मेट में होगा मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में अब क्रिकेट की वापसी तय हो गई है. इसका शेड्यूल भी सामने आ गया है. अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक मुकाबलों में क्रिकेट का मैच पोमोना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा. यह शहर लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है. यह मुकाबले 12 जुलाई से शुरू होंगे, जबकि मेडल मैच 20 और 29 जुलाई को खेले जाएंगे.

6-6 टीमें लेंगी हिस्सा: पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्गों में कुल 6-6 टीमें भाग लेंगी और कुल 180 खिलाड़ी ञ्20 प्रारूप में इस चार-वर्षीय महाकुंभ में हिस्सा लेंगे. क्रिकेट को इससे पहले केवल एक बार, 1900 में पेरिस ओलंपिक में शामिल किया गया था. आयोजकों द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 14 और 21 जुलाई को कोई मुकाबला नहीं होगा, जबकि अधिकतर दिनों में डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) खेले जाएंगे.

अनिल कुंबले ने भारत की हार की तुलना चेन्नई में पाकिस्तान से हार से की

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के रोमांचक अंत में, इंग्लैंड ने भारत को केवल 22 रनों से हरा दिया। जियोहॉटस्टार के विशेषज्ञ अनिल कुंबले और जोनाथन ट्रॉट ने अंतिम सत्र, जडेजा के वीरतापूर्ण प्रयास और दोनों टीमों के लिए इसके महत्व पर जानकारी दी। तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन की समाप्ति के बाद 'मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने भारत की हार और मैच के आखिरी पलों पर टिप्पणी की, 'मुझे एक टेस्ट मैच याद आ गया जहां भारत चेन्नई में पाकिस्तान से 12 रनों से हार गया था। वह भी कुछ इसी तरह का आउट था। सिर्फ 22 रन। जडेजा नाबाद रह गए-मतलब, उनकी योजना भारत को जीत के इतने करीब पहुंचाने की थी। लेकिन इंग्लैंड अपने काम पर डटा रहा। मुझे लगता है कि जोफ्रा आर्चर के पिछले ओवर ने मोहम्मद सिराज को जरूर परेशान किया होगा। ऐसा नहीं था कि वह गेंदबाज पर हमला करना चाहते थे, लेकिन एक बेतुके पॉइंट ने दबाव बढ़ा दिया।

मुझे लगा कि यह ऐतिहासिक जीत हासिल करने का एक शानदार मौका था। लेकिन भारत के लिए यही होना चाहिए-22 रनों से हारने के बावजूद, कई सकारात्मक पहलू भी हैं। सीरीज के उत्साह पर प्रतिक्रिया देते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'एक बार फिर, मैच का फैसला बेहद कम अंतर से हुआ-22 रन से। हमने सिराज को सांत्वना देते देखा। हम यही देखना चाहते हैं। हमने पांच दिनों तक कड़ा मुकाबला देखा और फिर हर तरफ हाथ मिलाते हुए।

किसी एक टीम को जीतना ही था, और इस बार इंग्लैंड था। अंतिम सत्र की तीव्रता के बारे में जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'यह बहुत तनावपूर्ण था-नाखून चबाने वाला। मुझे यकीन नहीं है कि मेरे पास कोई नाखून बचा है! खेल का अंत करने का यह निश्चित रूप से एक दुखद तरीका है, लेकिन किसी को तो जीतना ही था। मुझे लगता है कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है-थोड़ा मसाला, मैदान पर थोड़ा रोमांच। जब तक टीमें मैदान के बाहर एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाती हैं और चौथे टेस्ट तक कोई तनाव नहीं रहता, हम ठीक हैं। वहां बहुत कड़ा मुकाबला खेला गया। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन जीतता है। रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन और दृष्टिकोण पर कुंबले ने टिप्पणी की, 'उन्हें उन गेंदबाजों की पहचान करनी चाहिए थी जिन्हें वह निशाना बना सकते थे।

जैसा कि मैंने कहा-क्रिस वोक्स, जो हवा में थोड़े धीमे हैं, और जो रूट या बशीर। हालांकि वे ऑफ-स्पिनर हैं, लेकिन ऐसा नहीं था कि गेंद सीधे घूम रही थी। जडेजा ने मुश्किल विकेटों पर मुश्किल गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खेला है। आदर्श रूप से, अगर किसी को जोखिम उठाना ही था और आउट होना था, तो वह सिराज के बजाय जडेजा को होना चाहिए था। कुंबले ने कहा, उन्होंने स्ट्राइक हासिल करने में अच्छा प्रदर्शन किया-खासकर बुमराह और सिराज के साथ। लेकिन बशीर को पूरा ओवर देना जोखिम भरा था। तभी वह उन पर हमला कर सकते थे। उन्होंने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। वह जल्दी आए-दिन के छठे ओवर में-और नाबाद रहे। 82/7 के स्कोर के बाद सिर्फ बुमराह और सिराज के साथ स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है। बाकी बल्लेबाज निराश होंगे-उनके पास मौके थे। साथ ही, वे अतिरिक्त रन-पहली पारी में 32 और दोनों पारियों में लगभग 65-चर्चा का एक बड़ा मुद्दा होंगे। जडेजा की पारी पर जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'पीछे मुड़कर देखना एक खूबसूरत चीज है। मुझे लगता है कि जडेजा ने अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेला।

मुझे उनका जरूरत से ज्यादा विश्लेषण करने का कोई मतलब नहीं दिखता। उन्होंने खुद को और टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला। उन्होंने संघर्ष किया, अच्छी तरह से बायीं ओर गेंद डाली, और थोड़ी किस्मत का भी साथ मिला। गेंद घूम रही थी, और हां, बशीर पर आक्रमण करने का प्रलोभन था। लेकिन अगर वह जोर लगाकर आउट हो जाते, तो हम कह रहे होते कि उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। मुझे लगता है कि उन्होंने बेहतरीन खेला। दूसरे बल्लेबाज शायद सोचेंगे और खुद से पूछेंगे-मैं जडेजा जैसा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पाया जिससे हमें मौका मिल सके?

अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया के साथ दोस्ताना मैच खेलेगा अमेरिका

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम (यूएसएमएनटी) अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। यह दोनों टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। यह मैच फीफा वर्ल्ड कप-2026 की तैयारी के तहत खेले जाएंगे, जो अमेरिका में ही आयोजित होने वाला है। दुनिया की टॉप 25 टीमों में शामिल इन दोनों टीमों के खिलाफ होने वाले मैच अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए अहम मौके होंगे। यह मैच अमेरिका को वर्ल्ड कप की मजबूत टीमों से खेलने का मौका देंगे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि अगले साल वर्ल्ड कप में उन्हें किस तरह की टीमों और खेलने के तरीकों का सामना करना पड़ सकता है। इक्वाडोर पांचवीं बार वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जा रहा है।

वह अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ दक्षिण अमेरिका की उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन क्वालीफायर्स के तीसरे राउंड में अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल करते हुए वर्ल्ड कप में जगह पक्की की है। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेगा। अमेरिका 10 अक्टूबर को टेक्सास स्थित ऑस्टिन के क्यू2 स्टेडियम में इक्वाडोर की मेजबानी करेगा।

इक्वाडोर के खिलाफ यूएसए का रिकॉर्ड पांच जीत, पांच हार और इतने ही ड्रॉ का रहा है।

टेक्सास में खेले गए मुकाबलों में भी अमेरिका का इक्वाडोर के खिलाफ रिकॉर्ड बराबरी (1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ) पर रहा है। यह मैच ह्यूस्टन, फोर्ट वर्थ और फ्रिस्को में खेले गए थे। चार दिन बाद, 14 अक्टूबर को यूएसए की टीम कोलोराडो के कॉमर्स सिटी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। अमेरिकी टीम अब तक इतिहास में केवल तीन बार ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी है। दोनों टीमें 1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ बराबरी पर हैं।

लॉर्ड्स में गांगुली का शर्ट लहराने की यादों ने आर्चर को प्रेरित कियाः स्टोक्स

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि भारत की 2002 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना ने जोफ्रा आर्चर को तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। गांगुली ने नेटवेस्ट ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी थी और यह आज तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे नाटकीय क्षणों में से एक है।

आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को खतरनाक ऋषभ पंत को बोल्ड किया और इसके बाद वाशिंगटन सुंदर का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लिया। भारत इस मैच में 22 रन से हार गया था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है। पता है ना। उसने मुझसे

कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में स्कोर बराबर रहने के बाद बाउंड्री काउंट-बैक के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, जब स्टोक्स ने आर्चर को छह साल पहले के उस महत्वपूर्ण दिन के बारे में याद दिलाया, तो तेज गेंदबाज को 17 साल पहले हुए गांगुली वाले पल की याद आ गई।

स्टोक्स ने कहा, 'मैं उस दिन की बात कर रहा था जब हमने विश्व कप जीता था लेकिन वह कह रहा था, ओह, वो वाला। वह वाकई कमाल का लड़का है। छोटे लक्ष्य के सामने ऋषभ पंत का विकेट वास्तव में महत्वपूर्ण था। मुझे पूरा विश्वास था कि जोफ्रा आज कुछ ऐसा करने वाला है जिससे मैच में अंतर पैदा हो जाए। चोट के बाद वापसी करने वाले स्टोक्स ने भारत पर दबाव बनाए रखने के लिए 9.2 ओवर और 10 ओवर का स्पैल पूरा किया। स्टोक्स ने कहा कि वह 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए फिट रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से फिट रहूंगा। उस मैच से पहले हमें विश्राम करने का पर्याप्त मौका मिलेगा।स्टोक्स से खेल के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई तीखी बहस और छींटाकशी के बारे में पूछा गया, लेकिन उन्होंने इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की बड़ी सीरीज़ में हमेशा ऐसा कोई न कोई पल जरूर आता है जब दोनों टीम के खिलाड़ी एक दूसरे से भिड़ेंगे। मुझे यह मंजूर है बशर्ते यह सीमा पार न जाए। मुझे नहीं लगता कि हमारी या भारतीय टीम ने किसी तरह से सीमा का उल्लंघन किया।

खेल जगत में एक और रिश्ता टूटा

सायना नेहवाल के बाद अब पहलवान दिव्या काकरान का तलाक

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला पहलवान दिव्या काकरान ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए अपने तलाक की जानकारी दी। इससे पहले सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलग होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। भारतीय खेल जगत में रिश्तों के टूटने की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के बाद अब मशहूर महिला पहलवान दिव्या काकरान ने अपने तलाक की बात सार्वजनिक की हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश शेयर कर अपने मन की बात रखी। दिव्या काकरान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टा पर एक भावुक संदेश लिखी स्टोरी शेयर की। इसमें उन्होंने लिखा- नमस्ते, जैसा कि आप जानते हैं, मैं दिव्या काकरान हूं। मैं आपसे कुछ निजी बातें साझा करना चाहती थी।

मैंने हाल ही में अपने पति सचिन प्रताप सिंह से तलाक लेने का फैसला किया है। यह मेरे जीवन के भावनात्मक रूप से सबसे कठिन अध्यायों में से एक रहा है। इसमें बहुत दर्द, आत्मचिंतन और खुद को छोड़ देने का अनुभव रहा है... लेकिन साथ ही स्पष्टता, विकास और शक्ति के ऐसे पल भी आए हैं जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था।

यह ऐसी बात नहीं है जिसे मैं आसानी से साझा करूं, लेकिन मुझे लगा कि आपको यह बात बतानी चाहिए क्योंकि आपका समर्थन, दूर से ही सही,

मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं धीरे-धीरे ठीक हो रही हूँ और इस नई शुरुआत को पूरे सम्मान और उम्मीद के साथ अपनाना सीख रही हूं। उन्होंने आगे लिखा कभी-कभी ज़िंदगी ऐसा मोड़ ले लेती है जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी, और मैं इस बारे में सच बोलने में विश्वास रखती हूं। मैं अभी भी ठीक हो रही हूं, अभी भी अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन मैं उन तरीकों से भी आगे बढ़ रही हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

मैं आपके समर्थन और खासकर अपने माता-पिता और परिवार की आभारी हूँ जो मेरे जीवन के हर फैसले में हमेशा मेरा साथ देते हैं। बता दें कि दिव्या ने ये संदेश अंग्रेजी में लिखा है।

सायना नेहवाल के तलाक की खबर के बाद दूसरी बड़ी हलचल

कुछ दिन पहले ही सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलगाव की खबरें सामने आई थीं, जिससे उनके फैंस को झटका लगा था। अब दिव्या काकरान की पोस्ट ने एक बार फिर खेलप्रेमियों को भावुक कर दिया है।

व्यक्तिगत संघर्षों के बीच चमकता रहा दिव्या करियर

दिव्या काकरान ने कई बार मंचों पर महिला खिलाड़ियों के संघर्ष की बात उठाई है। निजी जीवन में आ रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वहीं अब उनके तलाक की खबरों ने खेल जगत में सनसनी फैला दी है।